mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-316 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
17 नवंबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

भारत ने गंवाया पहला...
@ पेज 7

पानीपत का युवक टिंडर के चक्कर में एचआईवी पॉजीटिव हुआ

ऑनलाइन डेटिंग एप पर दूसरे युवक से मिला, 'गे' संबंध बनाए, 2 बच्चों का पिता

पानीपत, एजेंसी। अगर आप दोस्त बनाने के लिए ऑनलाइन डेटिंग एप का सहारा लेते हैं, तो सावधान होने की जरूरत है। पानीपत में 2 बच्चों का पिता ऐसे ही एप से एक गे (समलैंगिक पुरुष) के संपर्क में आया। उसे पानीपत बुलाकर कई बार अननेचुरल संबंध बनाए। कुछ दिन बाद पता चला कि वह HIV संक्रमित हो गया है।

इस केस से सिविल अस्पताल के एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (ART) सेंटर के डॉक्टर और काउंसलर भी हैरान हैं। उनका कहना है कि मेल टू मेल संबंध बनाने से HIV संक्रमण फैलने का हर महीने औसतन 1 केस आ रहा है। ऑनलाइन डेटिंग एप से जुड़ कर संक्रमण होने का यह पहला केस है।

काउंसलिंग के दौरान पीड़ित ने बताया कि उसने ऑनलाइन डेटिंग एप टिंडर पर 'गे' से दोस्ती की। उसके बाद असुरक्षित यौन संबंध बनाए। कई बार एप से 'गे' को बुलाया। कुछ समय बाद उसे डायरिया की शिकायत हुई, जो ठीक नहीं हो रही थी।

नौसेना डॉकयार्ड को उड़ाने की धमकी, मुंबई पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुंबई में रविवार (16 नवंबर, 2025) को नौसेना के डॉकयार्ड को धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। डॉकयार्ड के दो कर्मचारियों ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम में फोन कर धमकी दी थी। इस पर कार्रवाई करते हुए मुंबई पुलिस ने दोनों शख्स का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान सामने आया कि धमकी देने वाला शख्स उस समय नशे में था और डॉकयार्ड का ही कर्मचारी था। उसके साथ एक शख्स को भी पूछताछ के लिए लाया गया था। वह व्यक्ति भी उसी डॉकयार्ड का कर्मचारी था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों लोगों ने शराब के नशे में धमकी भरा फोन किया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मुंबई पुलिस ने फर्जी धमकी देने के मामले में जहांगीर शेख नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि धमकी देने वाले व्यक्ति के खुद आंध्र प्रदेश में होने की बात कही थी। उसने कॉल कर दावा किया कि किसी और ने उसे इस हमले की जानकारी दी है। धमकी मिलते ही पुलिस के साथ सुरक्षा एजेंसियां चौकन्नी हो गई और तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर दिए गए।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग का जवाब

आधार सिर्फ पहचान का दस्तावेज, नागरिकता का नहीं...

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को साफ कर दिया है कि आधार कार्ड को केवल पहचान साबित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, नागरिकता साबित करने के लिए नहीं। बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष संशोधन को लेकर उठी कानूनी बहस के बीच आयोग ने यह स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि इस संबंध में जरूरी निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि आधार की कानूनी सीमाओं पर न्यायालय पहले ही स्पष्ट राय दे चुका है।

चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 8 सितंबर को ही स्पष्ट कर दिया था कि मतदाता सूची के अद्यतन के दौरान आधार कार्ड का उपयोग केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। इसके आधार पर आयोग ने 9 सितंबर 2025 को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को निर्देश जारी किए थे कि आधार को नागरिकता प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया निर्वाचन सूची में नाम जोड़ने या हटाने के दौरान पालन की जानी अनिवार्य है।

आधार उपयोग पर दायर याचिका : यह जवाब उस इंटरलोक्यूटरी आवेदन पर दिया गया, जिसमें अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने मांग की थी कि आधार का उपयोग केवल पहचान प्रमाण और प्रमाणिकरण के लिए ही सुनिश्चित किया जाए।

आधार नागरिकता, निवास या जन्म का प्रमाण नहीं

चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कहा कि यूआईडीएआई ने अगस्त 2023 में जारी कार्यालय ज्ञापन में स्पष्ट कर दिया था कि आधार कार्ड ना तो नागरिकता का प्रमाण है, ना निवास का और ना ही जन्मतिथि का। आयोग ने कहा कि इसी हरूका हवाला बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी दिया था, जिसमें कहा गया था कि जन्मतिथि साबित करने की जिम्मेदारी आधार धारक पर ही रहती है। आयोग ने बताया कि अदालत के आदेश और यूआईडीएआई दोनों ही स्पष्ट रूप से यह तय करते हैं कि आधार को सीमित भूमिका में ही इस्तेमाल किया जा सकता है।

मेडिकल कॉलेजों में खाली पीजी सीट का मामला, तंत्र बनाने की अपील पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एक याचिका पर सुनवाई करेगा। इस याचिका में कहा गया है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ऐसी व्यवस्था बनाए, जिससे देश के मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर (पीजी) की प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल की कोई भी सीट खाली न रहे। याचिका में यह भी कहा गया है कि आयोग पिछले पांच वर्षों में प्री-क्लिनिकल और पैरा-क्लिनिकल पीजी शाखाओं में कितनी सीटें खाली रही हैं, उसका पूरा आंकड़ा भी पेश करे। इस याचिका की सुनवाई चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन तथा जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच करेगी। जनवरी में एक दूसरी याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मेडिकल पाठ्यक्रम की सीट खाली नहीं रहनी चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा था कि वह राज्यों सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ बैठक करे और इस समस्या का हल निकाले। अप्रैल 2023 में भी सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल पाठ्यक्रमों की सुपर-स्पेशियलिटी सीटें खाली रहने पर चिंता जताई थी। उस समय केंद्र सरकार ने सुझाव दिया था कि सभी पक्षों (राज्य, निजी मेडिकल कॉलेज और अन्य प्रतिनिधियों) को मिलाकर एक समिति बनाई जाए, जिसकी अध्यक्षता स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक करें, ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

मेक्सिको में भ्रष्टाचार के खिलाफ हजारों GenZ का प्रदर्शन,मेयर की मौत से गुस्साए

राष्ट्रपति निवास की दीवारें गिराईं; पुलिस पर हथौड़ें-लाठियों से हमला

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में शनिवार को हजारों त्वद्ठुं बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार, हिंसा में मिल रही छूट, सार्वजनिक हत्या औरा सुरक्षा की कमी के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं।

यह गुस्सा एक मेयर की सार्वजनिक हत्या के बाद और भड़क गया। मेक्सिको के पश्चिमी राज्य मिचोआकेन में 1 नवंबर को उरुअपन के मेयर कार्लोस मंजो की एक प्रोग्राम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुस्साए GenZ ने राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास नेशनल पैलेस की सुरक्षा दीवारों को गिरा दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरों, हथौड़े, पटाखों, लाठियों और जंजीरों से हमला किया। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी।

GenZ की मांग- सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर हो

इस साल कई देशों में जेन जेड युवा असमानता, लोकतंत्र की गिरावट और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे हैं। नेपाल में सितंबर में सोशल मीडिया बैन के बाद बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिससे प्रधानमंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। मेक्सिको में भी युवा भ्रष्टाचार और हिंसक अपराधों में मिल रही छूट से परेशान हैं। 29 साल के बिजनेस कंसल्टेंट एंड्रेस मासा ने कहा, हमें ज्यादा सुरक्षा चाहिए। प्रदर्शन में सिर्फ युवा ही नहीं, बल्कि मध्यम आयु और बुजुर्ग वर्ग के लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। 43 वर्षीय चिकित्सक एरिजबेथ गार्सिया ने बताया, हम सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए ज्यादा फंडिंग चाहते हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या सुरक्षा है।

दिल्ली ब्लास्ट : आतंकियों को फंडिंग करने वाले 2 पकड़े

- **इनमें 1 अल फलाह यूनिवर्सिटी का इलेक्ट्रीशियन भी; जम्मू-कश्मीर में रोहतक की डॉक्टर से पूछताछ**

फरीदाबाद/ झज्जर/ नूंह, एजेंसी। दिल्ली में लाल किले के सामने बम ब्लास्ट के बाद फरीदाबाद और नूंह में आतंक का नेटवर्क लगातार सामने आ रहा है। इसे तोड़ने के लिए NIA समेत अन्य जांच एजेंसियां और क्राइम ब्रांच की टीमें लगातार मस्जिद, किराएदारों के कमरे, खाद-बीज की दुकानें, कारों की बिक्री करने वाले डीलर, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं की चेकिंग कर रही है।फरीदाबाद के धौज गांव स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े और डॉ. उमर, डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन के संपर्क में आए 200 लोग रडार पर हैं। इसी कड़ी में रविवार को टीम ने नूंह शहर की हयात कॉलोनी से दो और लोगों को हिरासत में लिया है। इनके नाम रिजवान और शोएब है। शोएब अल फलाह यूनिवर्सिटी में इलेक्ट्रीशियन था। दोनों पर आतंकी मामले में फंडिंग करने का आरोप है। जांच में नूंह के दो नेताओं के नाम भी सामने आ रहे हैं।

थरुर बोले- आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ,अब दिल्ली-मुंबई तक फैल गया

फारूक ने कहा था- हर कश्मीरी पर उंगली उठाई जा रही

श्रीनगर, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा रविवार को कहा, आतंकवाद 1989-90 में कश्मीर से शुरू हुआ और धीरे-धीरे मुंबई, पुणे, दिल्ली तक फैल गया है। भारत पिछले 30 साल से आतंकवाद से चुनौती झेल रहा है। अब इस पर कठोर और असरदार एक्शन की जरूरत है। उन्होंने कहा- हर आतंकी घटना में दो चीजें बेहद अहम होती हैं। यह पता लगाना कि वारदात किसने और क्यों की और ऐसे हमलों को दोबारा होने से रोकने के उपाय। हर मुद्दे को युद्ध और शांति के चश्मे से नहीं परखा जा सकता। आतंकवाद पर सख्ती जरूरी है, लेकिन देश के विकास के बड़े लक्ष्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

स्कूल लेट आने की खौफनाक सजा

बच्ची को स्कूल बैग टांगकर 100 उठक-बैठक कराई, इलाज के दौरान मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के वसई में एक दुखी करने वाला मामला सामने आया है। दरअसल यहां एक स्कूल में 10 मिनट देरी से आने पर अध्यापक ने 13 साल की बच्ची को बैग कंधे पर टांगकर 100 उठक-बैठक करने की सजा दी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इससे बच्ची की तबीयत खराब हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना 8 नवंबर की है, जब वसई के श्री हनुमंत विद्या मंदिर में कक्षा 6 में पढ़ने वाली कक्षा छह की छात्रा काजल गौड़ को देरी से स्कूल आने पर अध्यापक ने सौ उठक-बैठक लगाने की सजा दी। उठक-बैठक लगाने के बाद काजल के कमर में दर्द होने लगा। बच्ची की मां ने बताया कि स्कूल से आने के बाद उसने तबीयत खराब होने की शिकायत की। इसके बाद उसे वसई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे एक अन्य अस्पताल में और फिर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बच्ची की मां की शिकायत पर मामला दर्ज

बच्ची की मां ने अध्यापक और स्कूल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने फिलहाल दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर लिया है और अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद धाराएं बदली जा सकती हैं। इस मामले में मनसे की भी एंट्री हो गई है। मनसे कार्यकर्ताओं ने घटना की जानकारी मिलते ही स्कूल पहुंचकर स्कूल में ताला लगा दिया। वहीं एनसीपी एसपी के नेताओं ने भी स्कूल प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अलग-अलग हादसों में 10 लोगो की मौत

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी फॉर्च्यूनर, 5 की मौत

- **ग्वालियर में गाड़ी काटकर निकालने पड़े शव**
- **मृतकों में एक प्रॉपर्टी कारोबारी का इकलौता बेटा**

ग्वालियर, एजेंसी। ग्वालियर में तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। हादसा ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढ़े 5 से 6 बजे के बीच हुआ। सभी मृतक ग्वालियर निवासी बताए जा रहे हैं। वे MP07 CG 9006 नंबर की फॉर्च्यूनर में उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण ड्राइवर, कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई।

शव कार और ट्रॉली के बीच बुरी तरह फंसे हुए थे। पुलिस और स्थानीय निवासियों ने कटर मशीन की मदद से गाड़ी को काटकर शवों को बाहर निकाला।

नेशनल हाईवे एम्बुलेंस के प्रायमरी मेडिकल ऑफिसर पंकज यादव ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 6 बजे सिरोल थाने से सूचना मिली थी कि मालवा कॉलेज के सामने हादसा हुआ है। वे डबरा से टीम सहित सुबह 7:00 बजे मौके पर पहुंचे।

हादसे में इनकी गई जान

आदित्य जादौन
राम पुरोहित
क्षितिज उर्फ प्रिंस राजावत
कौशल भदौरिया
अभिमन्यु सिंह

प्रॉपर्टी कारोबारी का इकलौता बेटा था प्रिंस : फॉर्च्यूनर ग्वालियर के प्रॉपर्टी कारोबारी उमेश राजावत की है। शनिवार रात करीब 9 बजे वे शनिचरा धाम से लौटे थे। उसके इकलौता बेटा प्रिंस राजावत कार ले गया था।

जोधपुर में ट्रक-टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत

रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे, 12 लोग घायल, सभी जोधपुर रेफर

बालेसर (जोधपुर) ,एजेंसी। जोधपुर में ट्रक और टेम्पो की टक्कर में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि बच्चों समेत 12 लोग घायल हैं। घायलों को पहले बालेसर के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से जोधपुर के मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया गया। सभी गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा दर्शन करने जा रहे थे।
हादसा जोधपुर-जैसलमेर नेशनल हाईवे-125 पर बालेसर (जोधपुर) के पास खारी बेरी गांव में रविवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे हुआ।
बालेसर थाना प्रभारी मूल सिंह भाटी ने बताया- बालेसर में नेशनल हाईवे-125 पर बाजरे की बोरियों से भरे ट्रक ने टेम्पो को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि ट्रक आगे जाकर पलट गया।
दो की जोधपुर में इलाज के दौरान मौत : टेम्पो में आगे बैठे महेंद्र ने बताया- टेम्पो सवार सभी लोग गुजरात के साबरकांठा से रामदेवरा जा रहे थे। टेम्पो में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 20 लोग सवार थे। खारी बेरी गांव में हादसा हुआ।

चेन्नई के ओशन इंस्टीट्यूट में समुद्रयान आकार ले रहा,इसके 50प्रतिशत हिस्से स्वदेशी

ये खास वैज्ञानिक पनडुबी 4 घंटे में 6किमी. की गहराई में पहुंचेगी

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (NIOT) में समुद्रयान आकार ले रहा है। इस वैज्ञानिक पनडुब्बी के हिस्से असेम्बल हो रहे हैं। दिलचस्प बात है कि पहले समुद्रयान के शत-प्रतिशत पार्ट्स इम्पोर्ट किए जाने थे, लेकिन कोविड और जियो पॉलिटिकल कारणों से पार्ट्स नहीं मिल पाए। नतीजतन, अब 2025 में समुद्रयान के 50त्न हिस्से भारतीय संस्थानों ने ही तैयार कर लिए। NIOT के उपनिदेशक एस. रमेश ने कहा कि समुद्रयान का बेसिक फ्रेम, मत्स्य-6000, कम्युनिकेशन, नेविगेशन और कंट्रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर भारत में ही विकसित किए गए हैं। कुछ कैमरे, सेंसर, अकॉस्टिक फोन और सिंटेक्टिक फोम आयात करने पड़े। लक्ष्य है कि 2026 में 30 मीटर, 200 मीटर और 500 मीटर की गहराई में समुद्रयान के तीन अलग-अलग रिहर्सल और टेस्ट होंगे। सभी उपकरणों और हर हिस्सों को नार्वे की एजेंसी डीएनवी (डेट नॉर्स्क वेरीटास) से सर्टिफिकेशन हासिल हो चुका है।

समुद्रयान भारत के डीप ओशन मिशन का हिस्सा : समुद्रयान मिशन भारत का पहला मानवयुक्त समुद्र मिशन है, जिसका मकसद मत्स्य-6000 नाम के मानवयुक्त पनडुब्बी में 3 वैज्ञानिकों को समुद्र की 6,000 मीटर की गहराई तक भेजना है। यह भारत के डीप ओशन मिशन का एक हिस्सा है। इसके तहत समुद्र के संसाधनों और जैव-विविधता का अध्ययन किया जाएगा। 2027 में गगनयान के मानव मिशन के साथ हिंद महासागर में 3 भारतीय एक्वानॉट्स समुद्र की गहराई में गोता लगाएंगे।

30 मीटर प्रति मिनट की गति से गहराई में जाकर सैंपल लिए जाएंगे : समुद्रयान सागर निधि जहाज से हिंद महासागर पहुंचेगा। 30 मीटर प्रति मिनट की गति से उतरते हुए करीब 4 घंटे में यह 6 किमी की गहराई तक पहुंचेगा। सैंपल कलेक्शन, सर्वे, स्कैनिंग और साइंटिफिक गतिविधियों के लिए चार घंटे मिलेंगे। समुद्रयान के मोबाइल व्हीकल मत्स्य-6000 में एक्वानॉट सैंपल लेंगे।

आईआईसीए में डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में डिजिटल विकास पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) में आयोजित डिजिटल गवर्नेंस और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना संस्थान (बीआईएसएजी एन) के विशेष महानिदेशक विनय ठाकुर ने डिजिटल शासन, साइबर सुरक्षा, उत्तर क्वांटम कूटलेखन और भारत की विकसित होती डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर कहा कि सुरक्षित प्रौद्योगिकियां और भविष्य के डिजिटल कौशल आज भारत के सामाजिक आर्थिक विकास की जरूरत बन चुके हैं।

आईआईसीए द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में संस्थान के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलाव के बीच भावी पेशेवरों को सुरक्षित और सक्षम तकनीकी समझ विकसित करना समय की मांग है।

विनय ठाकुर ने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को विश्व की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक बताया। उन्होंने आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, भारतनेट, को विन, उमंग, मेघराज क्लाउड और बीआईएसएजी एन के भू स्थानिक मंचों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों ने शासन, सार्वजनिक सेवाओं और नागरिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी है। ठाकुर ने कहा कि डिजिटल इंडिया केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी आंदोलन है जिसने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच की दूरी को कम किया है और सेवाओं की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित की है।

सत्र के दौरान उन्होंने बढ़ते साइबर खतरों, डेटा संरक्षण के महत्व, डीपीडीपी अधिनियम की जरूरत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित साइबर हमलों के जोखिम और उत्तर क्वांटम कूटलेखन की तत्काल आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल सम्प्रभुता सुनिश्चित करने के लिए स्वदेशी समाधानों का विकास जरूरी है।

वायु प्रदूषण का चरम देख वकील ने हाईकोर्ट से मांगी हाइब्रिड सुनवाई की सुविधा, पत्र लिखकर किया ये दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में कई क्षेत्रों में 450-600 तक दर्ज होने के बीच वरिष्ठ अधिवक्ता विकास पाहवा ने हाईकोर्ट से अस्थायी रूप से हाइब्रिड या पूरी तरह वर्चुअल सुनवाई शुरू करने की गुहार लगाई है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को लिखे पत्र में मांग की ताकि वकीलों, मुवक्किलों और कोर्ट स्टाफ के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके। पाहवा ने पत्र में दावा करते हुए बताया कि पीएम 2.5 का स्तर 190 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक हो गया है, जो अनुमेय सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से तीन गुना ज्यादा है। इसे चिकित्सकीय रूप से विषैले और जीवन के लिए खतरा बताया गया है। ऐसे प्रदूषण से हृदय, फेफड़े और मस्तिष्क जैसे महत्वपूर्ण अंगों को अपूरणीय क्षति पहुंचती है। वरिष्ठ वकीलों और अस्थमा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है।

पत्र में दावा किया गया है कि कई वकीलों में लगातार खांसी, गले में जलन, सांस लेने में तकलीफ और थकान जैसे लक्षण दिख रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा के हालिया फैसले का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (जीआरएपी) के स्टेज-3 और स्टेज-4 के तहत निर्माण कार्यों पर रोक, कुछ डीजल वाहनों पर प्रतिबंध, कार्यालय समय में बदलाव और एंटी-स्मॉग गन तैनात करने जैसे आपात उपाय लागू कर दिए हैं। फिर भी कोर्ट परिसर में हजारों वकीलों-मुवक्किलों की अनिवार्य शारीरिक उपस्थिति से उन्हें गंभीर और टालने योग्य स्वास्थ्य जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। पाहवा ने कोविड-19 महामारी के दौरान सफलतापूर्वक अपनाई गई वर्चुअल व हाइब्रिड व्यवस्था को दोबारा शुरू करने का अनुरोध किया है। इससे जहरीली हवा के संपर्क में कमी आएगी, न्यायिक कार्य सुचारु रहेगा तथा यातायात और उत्सर्जन कम करने में सरकार के प्रयासों को बल मिलेगा।

बम धमाके ने बिगाड़ी शादी सीजन की रौनक

करोड़ों के व्यापार पर फेरा पानी, दिल्ली में ग्राहक ई-शॉपिंग की ओर दौड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। लाल किले के पास सोमवार को हुए धमाके का असर चांदनी चौक, सदर बाजार और लाजपत नगर में साफ दिखाई दे रहा है। दहशत ऐसी है कि खरीदार मार्केट की भीड़ में घुसने के बजाय ऑनलाइन को प्राथमिकता दे रहे हैं। त्योहार और शादी के सीजन में जहां आमतौर पर भारी भीड़ उमड़ती है, वहां सन्नाटा पसरा है। सदर बाजार के दुकानदारों का कहना है कि यह सीजन हमारे लिए पीक माना जाता है। हमें काफी उम्मीद थी कि इस बार भी अच्छी कमाई होगी लेकिन बीते दिन हुए बम धमाके की तेज आवाज ने बाजार की गति धीमी कर दी है। नवंबर से शादी की खरीदारी शुरू हो जाती है। दूसरे राज्यों से थोक खरीदार और ग्राहक यहां से लाखों की खरीदारी करते हैं लेकिन विस्फोट के बाद पूरा बाजार ठप है। बाजार व्हाट्सएप पर टिका है। करीब 75त्न फीसदी कारोबार का नुकसान हुआ है। -आशीष नरुला, लाजपत राय मार्केट

शादियों के सीजन में चांदनी चौक बाजार में करोड़ों का व्यापार होता है लेकिन इस बार आतंकियों की ऐसी नजर लगी कि पूरा बाजार सूना है। इस सीजन में चांदनी चौक बाजार में खरीदार नजर ही नहीं आ रहे हैं। -यश गोयल, चांदनी चौक

1000 करोड़ का कारोबार प्रभावित: दिल्ली उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत गुप्ता के अनुसार दिल्ली के बाजारों का हाल सामान्य होने में यह सप्ताह भी जा सकता है। राज्य के आर्थिकी तंत्र को अभी तक दो दिन में आतंकी धमाके ने करीब एक हजार करोड़ रुपये प्रभावित किया है। दिल्ली पूरे उत्तर भारत का प्रमुख थोक बाजार है। चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल आशंका जताते हुए कहा कि जैसा माहौल उससे लगता है कि यह प्रभाव 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का हो सकता है। धमाका स्थल से चंद फीट की दूरी पर स्थित लाजपत राय मार्केट की 800 से अधिक दुकानें अभी तक बंद हैं। भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक, खारी बावली, दरीबा, नई सड़क, नया बाजार व सदर बाजार में तीसरे दिन भी खरीदार नाम मात्र के हैं।

6 एंटी स्मॉग गन करेंगी प्रदूषण पर वार, आनंद विहार बस अड्डे के लिए व्यवस्था, खर्च होंगे 58 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सबसे व्यस्त आनंद विहार बस अड्डे पर प्रदूषण से जंग के लिए छह एंटी स्मॉग गन तैनात की जाएंगी। इसके लिए ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीटीआईडीसी) की ओर से करीब 58 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। आनंद विहार बस अड्डा राजधानी में प्रदूषण का सबसे बड़ा हाटस्पॉट है। यहां रोजाना लाखों यात्रियों की आवाजाही होती है। एंटी स्मॉग गन लगने से लोगों को प्रदूषण से राहत मिलेगी।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) आम दिनों में हमेशा 400 के पार रहता है जो गंभीर श्रेणी है। ये स्थिति लोगों के स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। शनिवार को यहां का एक्यूआई 421 दर्ज किया गया। बीते दिनों पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने आनंद विहार का दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने मौके पर जाकर धूल नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और सड़क मरम्मत के कामों का जायजा लिया था। साथ ही, उन्होंने डीपीसीसी की ओर से लगाए गए एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन की कार्यप्रणाली देखी थी और अधिकारियों से रिपोर्ट भी ली थी।

दिन-रात तैनात रहेंगी 78 टीमें: प्रदूषण की गंभीर स्थिति को देखते हुए शाहदरा दक्षिणी जोन ने आनंद विहार हॉटस्पॉट में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 78 विशेष टीमें गठित की हैं। ये टीमें तीन शिफ्टों में काम करेंगी और अवैध पार्किंग, अतिक्रमण व धूल फैलाने वाले स्रोतों पर सख्त कार्रवाई करेंगी। छह स्मॉग गनों को बस अड्डे के परिसर के साथ ही आसपास के क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। एक स्मॉग गन में एक हजार लीटर पानी की क्षमता होगी।

रोजाना हजारों बसों की होती है आवाजाही: आनंद विहार आईएसबीटी बस अड्डे से दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए रोजाना सैकड़ों बसों की आवाजाही होती है। इसमें लाखों लोग सफर करते हैं। सिर्फ उत्तर प्रदेश के लिए ही यहां से करीब 900 बसें रोजाना चलती हैं। इस दौरान यात्रियों को प्रदूषित वातावरण में इंतजार करना पड़ता है।

तड़ीपार के बाद भी दिल्ली में बेच रही थी मादक पदार्थ

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2004 से तड़ीपार होने के बाद भी महिला तस्कर पिंकी (46) पूर्वी दिल्ली में मादक पदार्थ बेच रही थी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने महिला को गिरफ्तार कर कब्जे से 1.179 किलोग्राम हेरोइन बरामद और 2.66 रुपये बरामद किए हैं। बरामद हेरोइन की कीमत करीब दो करोड़ रुपये बताई जा रही है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त संजीव कुमार यादव ने बताया पिंकी जीटीबी एन्क्लेव पुलिस स्टेशन की घोषित बदमाश है। वह पहले एनडीपीएस अधिनियम के तीन मामलों सहित कुल 7 आपराधिक मामलों में शामिल रही है। आरोपी महिला ने पूछताछ में बताया कि उसके पति ऋषि कपूर का निधन हो चुका है। उसका पति भी मादक पदार्थों की तस्करी करता था। पति की मौत के बाद ये भी मादक पदार्थों की तस्करी करने लगी। उसे पहले भी एनडीपीएस अधिनियम और आबकारी अधिनियम के विभिन्न मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है।

डिलीवरी बॉय का बैग चुराने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका साउथ थाना इलाके में भैया दूज पर बहन को आईफोन गिफ्ट करने के लिए बदमाश ने डिलीवरी बॉय का बैग चुरा लिया। बैग में लाखों के सामान थे। पुलिस ने करीब सौ से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे की जांच करने के बाद पालम से आरोपी राज कुमार को दबोच लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से आईफोन समेत तीन फोन और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद कर ली है। जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि 5 अक्तूबर को द्वारका साउथ थाना पुलिस को बैग चोरी होने की शिकायत मिली। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह सोसाइटी में सामान डिलीवरी करने आया था। वह सोसाइटी के गेट पर अपने बाइक पर बैग छोड़कर गया था। वापस आने पर बैग गायब मिला। बैग में करीब तीन लाख रुपये का डिलीवरी सामान था। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया। सूचना के आधार पर पुलिस ने पालम गांव से राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया। दोस्त कुणाल के साथ उसने वारदात को अंजाम दिया था।

रोहिणी से लग्जरी कार चुराने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहिणी जिला पुलिस ने लग्जरी कार चुराने वाले बदमाश मुस्तफाबाद निवासी हकीम उर्फ मुल्ला को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से पुलिस ने तीन लग्जरी कारें बरामद की है। पुलिस गाजियाबाद के रहने वाले गैंग के दो सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है। जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया, हकीम पर वाहन चोरी के 30 मामले दर्ज हैं। 8 नवंबर को टीम ने सेक्टर-18 रोहिणी में घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि गाजियाबाद यूपी निवासी रिंकू उर्फ नूर मोहम्मद और शमीम के साथ वाहनों की चोरी करता है। 21 अक्तूबर को इन लोगों ने केएन काटजू मार्ग थाना इलाके से एक स्कॉर्पियो-एन कार की चोरी की थी। पुलिस ने हकीम के निशानदेही पर कीर्ति नगर से चोरी किआ सेल्टोस, अल्कजार कार और चोरी हुई स्कॉर्पियो-एन की नंबर प्लेट बरामद कर ली।

रेस्टोरेंट के बाहर फायरिंग में तीन नाबालिग समेत चार धरे

नई दिल्ली, एजेंसी। झिलमिल औद्योगिक क्षेत्र के सिगार किचन एंड बार रेस्टोरेंट के बाहर 9 नवंबर की रात दो बार हुई फायरिंग के मामले में विश्वास नगर के मानव समेत तीन नाबालिगों को पकड़ा है।

एमबीए डिग्री होल्डर, बीकॉम का छात्र ठगी करने में लगे थे, 50 लाख से ज्यादा का लगा चुके चूना

नई दिल्ली, एजेंसी। एमबीए होल्डर सुनील कुमार रेड्डी (44) और बीकॉम (तृतीय वर्ष) आयुष सेमवाल (21) ठगी करने में लगे थे। आरोपी 50 लाख रुपये से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। ये शेयर बाजार में निवेश कराकर बड़ा मुनाफा देने का झांसा देकर ठगी करते थे। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने दोनों आरोपियों आयुष को नोएडा, उत्तरप्रदेश के सेक्टर-58 और सुनील आंध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया है।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया कि शेयर बाजार में निवेश के बहाने एक शिकायतकर्ता से 23,80,490 रुपये की ठगी की गई। आरोपी अनंतपुर, आंध्र प्रदेश निवासी और बिजनेस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव सुनील कुमार रेड्डी ने निवेश सलाहकार बनकर पीड़ित को 15 आरटीजीएस/एनईएफटी लेनदेन के माध्यम से विभिन्न बैंक खातों में धनराशि स्थानांतरित करा ली। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद इन खातों को तुरंत फ्रीज करा दिया और पीड़ित के 5,00,000 रुपये रोक दिए। अपराध शाखा की साइबर सेल टीम ने आरोपी को अनंतपुर, आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया। दूसरे मामले में टाटा क्रोमा, लखनऊ में एक निजी कर्मचारी में काम करने वाला शिकायतकर्ता को ऑनलाइन 26,49,180 रुपये निवेश करा लिए। आरोपी ग्राम चौड़ा, सेक्टर-22, रघुनाथपुर, गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश निवासी आयुष सेमवाल, जो एक कॉल सेंटर में वॉयस प्रोसेस असिस्टेंट के रूप में कार्यरत है।

धमाके वाली जगह मिले प्रतिबंधित कारतूस...

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उस इलाके में जहां हाल ही में कार में धमाका हुआ था, पुलिस को मौके से तीन 9 मिमी कैलिबर के कारतूस मिले हैं। इनमें से दो कारतूस जिंदा हैं, जबकि एक खाली है। यह बरामदगी मामले की जांच में एक नया मोड़ लेकर आई है, क्योंकि 9 मिमी कैलिबर के कारतूस आम नागरिकों के लिए प्रतिबंधित हैं और इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से सुरक्षा बलों या विशेष अनुमति प्राप्त व्यक्तियों द्वारा ही किया जाता है।

समाचार एजेंसी एएनआई को दिल्ली पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, धमाके की जांच के दौरान घटनास्थल पर गहन तलाशी ली गई। इसी तलाशी अभियान के दौरान ये तीन कारतूस बरामद हुए। इन कारतूसों को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि ये किसी सामान्य नागरिक के पास नहीं हो सकते। इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय है और यह सवाल खड़ा करती है कि ये प्रतिबंधित हथियार और कारतूस धमाके वाले स्थान तक कैसे पहुंचे। पुलिस अब इन कारतूसों के स्रोत का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से जांच कर रही है।

विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताकर वीजा खत्म करने की तैयारी, उपराष्ट्रपति वेंस का तीखा बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा पर जारी विवाद अब सियासी बहस का केंद्र बन गया है। भारत के आईटी पेशेवरों के लिए अहम इस वीजा पर अमेरिका में सख्ती की जा रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने तीखा बयान देते हुए विदेशी कर्मियों को सस्ता मजदूर बताया व कहा, देश को उनकी जरूरत नहीं। वेंस ने विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी पर आरोप लगाया कि उनका मॉडल कम वेतन पर बाहरी लोगों को लाने पर आधारित है, जिससे अमेरिकियों के रोजगार और वेतन पर सीधा असर पड़ता है।

नीतिगत उलटफेर का दौर: वीजा नीतियों को लेकर ट्रंप प्रशासन का रुख अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर असर छोड़ रहा है। हाल ही में ट्रंप ने कहा था कि यदि विदेशी छात्रों की संख्या में कमी आई, तो आधे कॉलेज बंद हो जाएंगे। यह बयान ऐसे समय आया है, जब छह माह पूर्व अमेरिकी सरकार ने विदेशों में नए छात्र वीजा इंटरव्यू पर रोक लगा दी थी। इन दिनों ट्रंप प्रशासन में **अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर** नीतिगत उलटफेर का दौर जारी है। इसके चलते सुरक्षा मानक काफी सख्त कर दिए गए हैं।

भारतीय छात्रों की संख्या में रिकॉर्ड 70 फीसदी की गिरावट: नई नीतियों के कारण अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में 70% तक गिर गई है। वीजा स्लॉट न मिलने, अचानक बढ़े रिजेक्शन और सख्त सुरक्षा जांच के चलते कई भारतीय छात्रों ने कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप जैसे देशों की ओर रुख किया है।

उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट शहर में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना राज्य के मैक्लेनबर्ग काउंटी के शहर चार्लोट में संघीय आव्रजन एजेंटों ने शनिवार को कार्रवाई शुरू की है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने कहा कि चार्लोट में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। इसे आधिकारिक तौर पर चार्लोट्स वेब नाम दिया गया है। इस शहर को शार्लोट को भी कहा जाता है।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, गृह सुरक्षा विभाग का मुख्य जिम्मेदारी आतंकवाद, सीमा सुरक्षा, आव्रजन और साइबर आदि के विभिन्न खतरों से देश को सुरक्षित रखना है। यह अभियान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अवैध आव्रजन पर की जा रही कड़ी कार्रवाई का नया लक्ष्य है। गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि चार्लोट को अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों से खाली कराया जाएगा। इस अभियान की तैयारी पिछले सप्ताह शुरू की गई थी। गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, अभियान का लक्ष्य अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षा कवच प्रदान करना है। इन लोगों से सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बॉर्डर पेट्रोल एजेंट चार्लोट क्षेत्र में अवैध रूप से रहे प्रवासियों को गिरफ्तार करते दिखाए गए हैं। इस अभियान में बख्तरबंद वाहन और विशेष अभियान दल भी शामिल हो सकते हैं।

ट्रंप प्रशासन के इस अभियान की चार्लोट के मेयर वी लाइल्स और उत्तरी कैरोलिना के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। लाइल्स ने अन्य स्थानीय नेताओं के साथ संयुक्त बयान में कहा कि यह अभियान अनावश्यक भय और अनिश्चितता पैदा कर रहा है। चार्लोट दक्षिण-मध्य उत्तरी कैरोलिना में पीडमोंट क्षेत्र में कैटावबा नदी के ठीक पूर्व में स्थित है। यह उत्तरी कैरोलिना का सबसे बड़ा और अमेरिका का 14वां सबसे बड़ा शहर है। चार्लोट में अभियान पूरा होने के बाद यह कार्रवाई न्यू ऑरलियन्स पर शुरू हो सकती है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के पांच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद (पाकिस्तान), एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को बन्नू और लक्की मरवत जिलों में संयुक्त अभियान में पांच लड़ाकों को मार गिराया। पांचों का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बताया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान का लक्ष्य तख्ती खेल और होवैद के सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी को निशाना बनाना था। यह अभियान बन्नू के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सज्जाद खान के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के दौरान सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षकजुल्फिकार हमीद ने बन्नू और लक्की मरवत पुलिस की अभियान की सफलता के लिए सराहना की है।

थाईलैंड : अमेरिका में वांछित रूसी हैकर फुकेत से गिरफ्तार, यूरोपीय और पश्चिमी देशों को बनाता था निशाना

मॉस्को, एजेंसी। रूस के एक व्यक्ति को थाईलैंड के फुकेत द्वीप से गिरफ्तार किया गया है। उस पर साइबर अपराध के आरोप हैं और अमेरिका को लंबे समय से उसकी तलाश थी। सीएनएन ने थाईलैंड की पुलिस के एक बयान के हवाले से यह जानकारी दी। थाईलैंड की पुलिस के मुताबिक, डेनिस ओब्रेजको (35 वर्षीय) कुख्यात साइबर जासूसी गिरोहवॉइड ब्लिजार्ड का हिस्सा था। माइक्रोसॉफ्ट ने इस गिरोह की ऐसे हैकर समूह के रूप में पहचान की, जो क्रेमलिन के हितों के लिए हैकिंग करता है। ओब्रेजको को छह नवंबर को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और थाईलैंड के अधिकारियों की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ा गया। थाईलैंड के साइबर अपराध जांच ब्यूरो (सीसीआईबी) के मुताबिक, वह गिरफ्तारी से केवल एक हफ्ते पहले ही फुकेत पहुंचा था। सीसीआईबी ने शुक्रवार को कहा, इस व्यक्ति ने पहले भी यूरोप और अमेरिका की सरकारी एजेंसियों की सुरक्षा प्रणालियों को भेदा और उन पर हमला किया है। उसे अब बैंकॉक के अपराध न्यायालय में रखा जाएगा, जहां से उसे अमेरिका प्रत्यर्पित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। पुलिस ने बताया कि उसे फुकेत के एक होटल कमरे से पकड़ा गया, जहां से उसका लैपटॉप, मोबाइल फोन और डिजिटल वॉलेट जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनकी फॉरेंसिक जांच होगी। रूस ने भी इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। थाईलैंड में रूसी दूतावास के राजनयिक इलिया इलिन ने कहा है कि फुकेत में अमेरिकी अधिकारियों के निर्देश पर एक रूसी नागरिक को साइबर अपराध के शक में पकड़ा गया है। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट इंटेलिजेंस (एमटीआई) पहले ही वॉइड ब्लिजार्ड की एक बड़े खतरे के रूप में पहचान कर चुका है, जो उन देशों और क्षेत्रों को निशाना बनाता है जो रूस के हितों के खिलाफ हैं। इस समूह ने अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन में सरकारी संस्थाओं, रक्षा, परिवहन, मीडिया, एनजीओ और स्वास्थ्य संगठनों पर हमले किए हैं। शोधकर्ताओं ने कहा, ये लोग चोरी किए गए लॉगिन विवरणों का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें यह ऑनलाइन बाजारों से खरीदते हैं और फिर संगठनों की ईमेल और फाइल बड़ी मात्रा में चुरा लेते हैं।

कलेक्टर ने एसआईआर का किया औचक निरीक्षण

डिजिटाइजेशन की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, पुनरीक्षण में तेजी लाने के दिए कड़े निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कुसमी अनुभाग के गोतरा और भदौरा मतदान केंद्रों का अचानक निरीक्षण किया। इस दौरान मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 के तहत चल रहे डिजिटाइजेशन कार्य में धीमी प्रगति पाई गई, जिस पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण में सामने आया कि गोतरा मतदान केंद्र में कुल 860 मतदाताओं में से केवल 5 मतदाताओं के ईएफ (इलक्ट्रोन फ्राम) का डिजिटाइजेशन हुआ था। वहीं, भदौरा मतदान केंद्र में 1353 मतदाताओं में से मात्र 30 ईएफ फॉर्म ही डिजिटाइज्ड मिले।

यह प्रगति निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित मानकों के विपरीत पाई गई। कलेक्टर ने

एसडीएम और संबंधित बीएलओ नोटिस जारी किया कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने इस कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि इसे निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य है। उन्होंने तत्काल एसडीएम कुसमी विकास आनंद को संबंधित बीएलओ, पटवारी और रोजगार सहायक के खिलाफ कार्यवाही के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, सभी अधिकारियों, बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को कड़े निर्देश दिए गए हैं।

उन्हें निर्वाचन आयोग की ओर से जारी सभी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने, मतदाता सूची के डिजिटलाइजेशन, गणना पत्रक और ईएफ फॉर्म अपलोडिंग सहित सभी कार्यों में प्रतिदिन प्रगति सुनिश्चित करने तथा सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर हर हाल में पूर्ण करने को कहा गया है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आगामी निरीक्षण में यदि प्रगति संतोषजनक नहीं पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

7 साल के बच्चे का अपहरण, पुलिस ने 95 सीसीटीवी खंगाल कर 36 घंटों में ढूंढा; हैदराबाद में भीख मंगवाने वाला था

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। 7 वर्षीय बच्चे के अपहरण के प्रयास को पुलिस ने नाकाम कर दिया। 36 घंटे तक लगातार चले सर्च ऑपरेशन और 95 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया है। आरोपी बच्चे को हैदराबाद ले जाकर भीख मंगवाने और मजदूरी कराने की योजना बना रहा था।

यह है मामला: घटना रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र की है। शुक्रवार शाम करीब 5 बजे प्रिंस रावत नाम का बच्चा अचानक गायब हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी गई। थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने तुरंत 16 पुलिसकर्मियों की चार टीमें बनाईं और तलाश शुरू की।

संदिग्ध युवक की सूचना पर लिया एक्शन: इसके बाद करीब 7 बजे एक व्यक्ति ने फोन कर बताया कि एक युवक बच्चे को जबरदस्ती रीवा की तरफ ले जा रहा है। पुलिस ने तुरंत तकनीकी जांच शुरू की और 95 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुराने बस स्टैंड, नए बस स्टैंड, रीवा रेलवे स्टेशन, शिल्पी प्लाजा और विभिन्न सर्विलांस कैमरों की जांच की गई। इन्हीं फुटेज में एक जगह आरोपी बच्चे के साथ जाता दिखाई दिया, जिससे पुलिस को उसकी लोकेशन का सुराग मिल गया। 36 घंटे तक जारी रही खोज इसके बाद चार टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया। एक टीम जंगलों और गड्डी रोड की तरफ, दूसरी शिल्पी प्लाजा और रेलवे स्टेशन पर, तीसरी पुराने और नए बस स्टैंड पर और चौथी टीम रीवा शहर के सुनसान इलाकों में तलाश में जुटी रही। लगातार निगरानी और पीछा करने के बाद पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल हुई।

बस स्टैंड के पीछे से पकड़ा: रविवार दोपहर करीब 2 बजे जानकारी मिली कि आरोपी रीवा बस स्टैंड के पीछे सुनसान स्थान पर बच्चे के साथ मौजूद है। पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर दीपक रावत (30), निवासी घूंघटा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह बच्चे को हैदराबाद ले जाकर भीख मंगवाने और मजदूरी कराने की योजना बना रहा था। एसपी ने हर घंटे मॉनिटरिंग की थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया था। सीधी एसपी संतोष कोरी स्वयं इस पूरे ऑपरेशन को हर घंटे मॉनिटर करते रहे और लगातार अपडेट लेते रहे।

दुबरी कला स्वास्थ्य केंद्र के सामने बाघ दिखा, ग्रामीणों ने दहशत में काटी रात; वन विभाग जंगल भेजने कर रहा प्रयास

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। दुबरी कला क्षेत्र में शनिवार रात एक बाघ के मूवमेंट से दहशत फैल गई। उप स्वास्थ्य केंद्र दुबरीकला के सामने रात करीब 8 बजे बाघ को देखा गया। स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर तैनात हरूलालबाई बैगा और पूरे गांव ने डर के साए में रात बिताई। ग्रामीणों के अनुसार, बाघ स्वास्थ्य केंद्र की रोशनी में साफ दिखाई दे रहा था, जिसकी तस्वीरें भी कुछ लोगों ने अपने मोबाइल में कैद कर लीं। स्थानीय लोगों ने मिलकर बाघ को रिहायशी इलाके से दूर भगाने का प्रयास किया। एनएम लालबाई बैगा ने बताया कि शनिवार रात के अलावा रविवार सुबह भी बाघ को स्वास्थ्य केंद्र और आसपास के क्षेत्र में घूमते हुए देखा गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत वन विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बाघ को जंगल की

ओर खदेड़ने की कोशिश की।

शावक का मूवमेंट पिछले 6 दिनों से जारी: वन विभाग के रेंजर विवेक सिंह ने जानकारी दी कि दुबरी कला क्षेत्र में बाघ और उसके शावक का मूवमेंट पिछले 6 दिनों से लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम हाथियों और अन्य सुरक्षित माध्यमों का उपयोग कर बाघ को रिहायशी क्षेत्र से दूर ले जाने का प्रयास कर रही है। रेंजर ने कहा, 'जैसे ही मूवमेंट की जानकारी मिलती है, हमारी टीम तुरंत पहुंच जाती है और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास करती है।

धान से लदी पिकअप पलटी, रामपुर नैकिन क्षेत्र में ओवरलोडिंग से बिगड़ा संतुलन; ग्रामीणों ने फंसे लोगों को निकाला 6 घायल

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। रामपुर नैकिन क्षेत्र में रविवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। ककरहा टोला से चकडौर जा रही धान से लदी एक पिकअप बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में वाहन में सवार छह लोग घायल हो गए। सभी का रामपुर नैकिन अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ओवरलोडिंग से बिगड़ा संतुलन: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप में करीब 25 क्विंटल धान लदा हुआ था। धान की बोरियों के ऊपर सचिन सिंह, रामप्रसाद सिंह सहित छह लोग बैठे थे। अत्यधिक वजन की वजह से वाहन पर नियंत्रण बिगड़ा और चकडौर पहुंचते ही पिकअप सड़क किनारे पलट गई।

ग्रामीणों ने बचाए फंसे लोग: वाहन के पलटने के बाद सभी लोग बोरियों और वाहन के नीचे फंस गए थे। पास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला। हादसा दोपहर करीब 12 बजे हुआ।

घायलों का उपचार जारी: घायलों को तुरंत डायल 108 एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर नैकिन पहुंचाया गया। अस्पताल में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक घायलों को गंभीर चोटें आई हैं, हालांकि उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस की जांच जारी: पिकअप वाहन रमेश जायसवाल का बताया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी खड्डी नीरज साकेत टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वाहन में क्षमता से अधिक वजन होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ा और हादसा हुआ।

पटवारियों को कारण-बताओ सूचना पत्र जारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र-82 धौहनी ने निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने पर दो पटवारियों-उदित नारायण सिंह (हल्का करमाई) एवं अखिलेश कुमार पनिका (हल्का चमराडोल) को कारण-बताओ सूचना पत्र जारी किया है। अधिकारी ने बताया कि 28 अक्टूबर से प्रारंभ पुनरीक्षण कार्य में दोनों पटवारी बीएलओ की अनुपस्थिति एवं सहयोग की कमी की जानकारी समय पर प्रस्तुत नहीं कर सके, जिससे महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध उत्पन्न हुआ। यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 का उल्लंघन है, जो दण्डनीय है। दोनों पटवारियों को 24 घंटे के भीतर निर्वाचक नामावली व एसआईआर से संबंधित दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ करते हुए लिखित जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

एलपीजी गैस के लिए कतारों में खड़े उपभोक्ता, दीपावली के बाद से संकट; घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

मीडिया ऑडिटर, शहडोल (निप्र)। जिले में घरेलू एलपीजी गैस का संकट गहराता जा रहा है। दीपावली के बाद शुरू हुई सिलेंडर की कमी अब गंभीर हो चुकी है, जिसके कारण कई घरों की रसोई प्रभावित हो रही है। खासकर बुढार नगर में, गैस गोदामों के बाहर उपभोक्ता घंटों लंबी कतारों में लगने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान हैं।

बुढार क्षेत्र में स्थिति सर्वाधिक खराब बताई जा रही है, जहां लगभग 20 हजार एलपीजी उपभोक्ता पंजीकृत हैं। इंडेन, एचपी और भारत गैस की आपूर्ति पिछले कई दिनों से अनियमित है। उपभोक्ताओं ने कालाबाजारी की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि गैस एजेंसियों की ओर से गोदामों में कम आपूर्ति दिखाकर सिलेंडरों को ऊंचे दामों पर बाहर बेचा जा रहा है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में गोदामों को खाली दर्शाया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में एक सप्ताह से आपूर्ति ठप: पूरे जिले में कुल 2 लाख 23 हजार घरेलू एलपीजी उपभोक्ता पंजीकृत हैं। इनमें से लगभग 1 लाख 50 हजार उज्ज्वला योजना के लाभार्थी हैं, जबकि 80 से 90 हजार सामान्य उपभोक्ता भी गैस की कमी से जूझ रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात चिंताजनक हैं, जहां कई गांवों में पिछले एक सप्ताह से सिलेंडरों की आपूर्ति नहीं हुई है, जिससे त्योहारों के बाद रसोई का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच, जिला खाद्य आपूर्ति विभाग स्थिति को सामान्य बताने का प्रयास कर रहा है। जिला आपूर्ति अधिकारी विपिन पटेल ने दावा किया है कि गैस की आपूर्ति बढ़ा दी गई है और जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक कालाबाजारी की कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग दिख रही है, क्योंकि उपभोक्ताओं की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। लंबी कतारों, घंटों के इंतजार और अनिश्चित आपूर्ति के कारण उपभोक्ताओं में असंतोष बढ़ रहा है।

22 सदस्यीय टीम खिलाड़ी भोपाल रवाना, 29वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव में लेंगे भाग; नेशनल स्तर पर चयन की उम्मीद

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। 22 सदस्यीय टीम 29वें राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के लिए भोपाल रवाना हो गई है। यह उत्सव युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के देखरेख में आयोजित किया जा रहा है। राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 17 और 18 नवंबर को भोपाल में किया जाएगा।टीम को रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव और जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी सीधी ने रवाना किया। सीधी जिले की टीम ने रीवा संभाग स्तर पर लोकगीत, लोकनृत्य, कविता लेखन और विज्ञान मेला प्रदर्शनी जैसी

विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 22 का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

राष्ट्रीय चयन की उम्मीद में भोपाल रवाना: संभाग स्तर पर विज्ञान मेला प्रदर्शनी में उत्कृष्ट नामदेव और रोहित कुमार पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सामूहिक लोकनृत्य में माउंटेन ग्रुप, सीधी और सामूहिक लोकगीत में सृजन मिश्रा और उनके साथियों ने भी पहला स्थान हासिल किया था।

दल प्रभारी के रूप में जिला खेल प्रशिक्षक मानिंद शेर अली खान (खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सीधी) और मझौली टीम की समन्वयक सरोज पटेल टीम के साथ हैं। टीम को रवाना करते समय सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी गईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी अरविंद श्रीवास्तव ने उम्मीद जताई कि संभाग स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ये सभी प्रतिभागी भोपाल में भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित होंगे। उन्होंने टीम को विजय होकर लौटने की शुभकामनाएं दीं।

ग्राम रोजगार सहायकों की अनुपस्थिति पर कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। निवार्चक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र-82 धौहनी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 28 अक्टूबर 2025 से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य जारी है तथा अंतिम मतदाता सूची 07 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ को समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने हेतु मतदान केन्द्रवार शासकीय सेवकों की ड्यूटी लगाई गई है और एसआईआर कार्य नियत समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि 15 नवम्बर 2025 को क्षेत्र भ्रमण के दौरान मतदान केन्द्र क्रमांक 23, 24, 26, 27, 28 ताला में ग्राम रोजगार सहायक प्रदीप गुप्ता, तथा मतदान केन्द्र क्रमांक 95, 96, 97 दादर में सचिव चिंतामणि पनिका एवं ग्राम रोजगार सहायक प्रदीप सिंह अनुपस्थित पाए गए। साथ ही संबंधित बीएलओ द्वारा सहयोग न किए जाने की जानकारी भी प्राप्त हुई। यह स्थिति निर्वाचक नामावली जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में असहयोग एवं कर्तव्य पालन में लापरवाही को दर्शाती है, जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 का उल्लंघन है तथा दण्डनीय भी है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मझौली को निर्देशित किया है कि अनुपस्थित एवं असहयोगी ग्राम रोजगार सहायक/सचिवों को अवगत कर अवैतनिक किया जाए। साथ ही ग्राम रोजगार सहायकों को चेतावनी जारी करते हुए निर्देशित किया गया है कि वे 16 नवम्बर 2025 से अपने क्षेत्र के बीएलओ को मतदाता सूची से संबंधित कार्य में आवश्यक सहयोग दें, अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बीएलओ को कारण-बताओ सूचना पत्र जारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र-82 धौहनी ने बीएलओ को कारण-बताओ सूचना पत्र जारी किया है। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार 28 अक्टूबर से कार्य प्रारंभ हो चुका है तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 फरवरी 2026 को किया जाना निर्धारित है। आयोग के निर्देशानुसार धर्मजीत सिंह करमाई, छविलाल नापित चमराडोल एवं शिवशरण सिंह सेमरिहा को बीएलओ के रूप में नियुक्त किया गया है तथा उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर एसआईआर से संबंधित कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि दिनांक 15 नवम्बर 2025 को क्षेत्र भ्रमण के दौरान संबंधित बीएलओ अपने कार्यक्षेत्र में अनुपस्थित पाए गए तथा उनके साथ संलग्न शासकीय सेवकों द्वारा भी सहयोग न किए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। यह स्पष्ट करता है कि निर्वाचक नामावली जैसे महत्वपूर्ण कार्य में संबंधित कर्मचारियों द्वारा असहयोग कर अवरोध उत्पन्न किया जा रहा है, जो सौंपे गए कर्तव्यों के उल्लंघन की श्रेणी में आता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के अनुसार निर्वाचक नामावलियों की तैयारी से संबंधित पदीय कर्तव्यों का भंग किया जाना आपराधिक कृत्य है एवं दण्डनीय है। अतः उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए जाने का प्रस्ताव है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने निर्देशित किया है कि नोटिस प्राप्ति के 24 घंटे के भीतर निर्वाचक नामावली एवं एसआईआर से संबंधित दायित्वों का निर्वहन प्रारंभ करते हुए समक्ष में लिखित जवाब प्रस्तुत करें।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति पर कार्रवाई के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा क्षेत्र-82 धौहनी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 28 अक्टूबर से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य जारी है तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 07 फरवरी 2026 को किया जाएगा। आयोग के निर्देशानुसार बीएलओ को नियत समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने हेतु मतदान केन्द्रवार शासकीय सेवकों की ड्यूटी लगाई गई है तथा एसआईआर कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने बताया कि 15 नवम्बर को क्षेत्र भ्रमण के दौरान विभिन्न केंद्रों की कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ताकृदरिया की शकुन्तला सिंह, राजकली सिंह, देवकली सिंह, राजकुमारी सिंह; दियाडोल की राजकुमार पाण्डेय, रेखा सिंह; सिलवार की आशा तिवारी; डांगा के संतोष तिवारी; ताला की कुसुम चतुर्वेदी, आरती बैस, पुष्पा सोनी, राजकली गुप्ता; तथा खडौरा की ममता साकेत, कीर्ति तिवारी एवं शैलजा शुक्ला अनुपस्थित पाई गईं।

साथ ही संबंधित बीएलओ द्वारा सहयोग न किए जाने की जानकारी भी प्राप्त हुई। यह स्थिति निर्वाचक नामावली जैसे महत्वपूर्ण कार्य में असहयोग एवं कर्तव्य पालन में लापरवाही को दर्शाती है, जो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के अंतर्गत दण्डनीय है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, जनपद पंचायत मझौली को निर्देशित किया है कि अनुपस्थित एवं असहयोगी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को अवगत कर अवैतनिक किया जाए। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को चेतावनी जारी की जाए कि वे 16 नवम्बर से अपने क्षेत्र के बीएलओ को मतदाता सूची के एसआईआर कार्य में आवश्यक सहयोग प्रदान करें, अन्यथा कठोर दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शासकीय स्कूलों के विद्यार्थी करेंगे उच्च शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले के शासकीय हाई एवं हायर सेकंडरी स्कूलों में अध्ययनरत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को राज्य के प्रमुख उच्च शैक्षणिक संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। इस स्टडी ट्रिप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, उपलब्ध पाठ्यक्रम, संसाधन एवं रोजगार अवसरों की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करना है। इस हेतु कुल 961 विद्यार्थियों का चयन किया जा रहा है।

चयन प्रक्रिया: एपीसी रमसा डॉ. सुजीत मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों का चयन योग्यता आधारित एवं पूर्णतः पारदर्शी प्रक्रिया के अनुसार किया जा रहा है। चयन हेतु निर्धारित श्रेणियों में कक्षा 10वीं की जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थी, जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी जादू नहीं विज्ञान है में उत्कृष्ट प्रतिभागी, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी, सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज कराने वाले विद्यार्थी, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कला उत्सव के प्रतिभागी, बालिका छात्रावासों में सर्वोत्तम परीक्षा परिणाम देने वाली बालिकाएँ तथा शालेय खेलकूद स्पर्धाओं के विजेता विद्यार्थी शामिल हैं।

नीतीश ही 'नेता' हैं

संपादकीय

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है। साबित हो गया कि नीतीश कुमार ही बिहार के 'सर्वोच्च नेता' हैं। चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा गया। यह नीतीश के राजनीतिक करियर की शानदार उपलब्धि है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटों पर बढ़त बनाई है। मतगणना के दिन सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जद-यू 76 सीट पर आगे थीं। उसके बाद भी दोनों साथी दलों की बढ़त 71-71, 75-75, 79-79 बरकरार रही। क्या कमाल का जनादेश मिला है! अंततः भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यदि अंतिम जनादेश यही रहा, तो भाजपा-एनडीए के पक्ष में अभूतपूर्व जनादेश होगा। एनडीए सबसे पहले 190 सीट पर आगे रहा, जबकि तब महागठबंधन 50 सीटों पर ही आगे था। कितना व्यापक फासला था! निश्चित है कि चुनावी मुकाबला एकतरफा साबित हुआ। भाजपा के 'चाणक्य' एवं गृहमंत्री अमित शाह का आकलन भी 160 सीटों के आसपास का था, लेकिन नतीजे 'बंपर' साबित हुए। आश्चर्य है कि नीतीश कुमार 20 लंबे साल तक सत्ता में रहे हैं, उसके बावजूद स्वीकार्य और प्रासंगिक साबित हुए हैं। हमने ऐसा ही विश्लेषण कुछ दिन पहले किया था कि नीतीश के विरुद्ध कोई नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। अब नीतीश को बिहार का नया 'जननायक' मानना चाहिए। यकीनन नीतीश उस जमात और पीढ़ी के 'अंतिम नेता' हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, 'संपूर्ण क्रांति' के बैनर तले, राजनीति की शुरुआत की थी। जॉर्ज फर्नांडीज, शरद यादव, कर्पूरी ठाकुर, रामविलास पासवान आदि की पीढ़ी दिवंगत हो चुकी है, लालू यादव अस्वस्थ हैं, नीतीश ही शेष हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद 'जननायक' करार देना चाहिए। यह बिहार में नीतीश की स्वीकार्यता और प्रधानमंत्री मोदी की आम आदमी के बीच लोकप्रियता की ही प्रचंड जीत है। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए ने यह लगातार, पांचवां चुनाव जीता है। शुरुआत 2014 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। यह 2010 की भाजपा-एनडीए की आंधी, तूफान वाली जीत की पुनरावृत्ति भी है। सदन में विपक्ष का नेता चुनना भी कठिन लगता है। भाजपा-एनडीए जनादेश महज 'दस हजारी' महिलाओं के बंपर समर्थन का ही जनादेश नहीं है, बल्कि यह बिहार के अधिसंख्य अगड़ों-सवर्णों, पिछड़ों-अति पिछड़ों, दलितों-महादलितों, युवाओं-बुजुर्गों और यहां तक कि मुसलमानों का भी जनादेश है।जाति, धर्म, जमात, नस्ल, लिंग आदि के पार जाकर एनडीए को वोट दिए गए हैं। बेशक यह 'स्वीप' जनादेश है।

समाज को राह दिखाता है मीडिया

रमेश सर्राफ धमोरा

देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पत्रकारिता आजादी के बाद भी अलग-अलग परिदृश्यों में अपनी सार्थक जिम्मदारियों को निभा रही है लेकिन मौजूदा दौर में पत्रकारिता दिनों-दिन मुश्किल बनती जा रही है। जैसे-जैसे समाज में अत्याचार, भ्रष्टाचार, दुराचार और अपराध बढ़ रहा है। पत्रकारों पर हमले की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। मीडिया और पत्रकारों पर हमला वही करते या करवाते हैं जो इन बुराइयों में डूबे हुए हैं। ऐसे लोग दोहरा चरित्र जीते हैं। मीडिया जब इनके काले कारनामों की पोल खोलने लगता है तो ये बौखला जाते हैं और उन पर हमले करवाते हैं। पुलिस और शासन तंत्र भी इन्हीं का साथ देते हैं। दिखावे के तौर पर मामला दर्ज कर लिया जाता है लेकिन होता कुछ नहीं। ये हालात चिन्ताजनक है।

भारत में हर वर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारत में एक स्वतंत्र और जिम्मेदार प्रेस की मौजूदगी का प्रतीक है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस, प्रेस की स्वतंत्रता एवं जिम्मेदारियों की ओर हमारा ध्यान आकृष्ट करता है। प्रथम प्रेस आयोग ने भारत में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा एंव पत्रकारिता में उच्च आदर्श कायम करने के उद्देश्य से एक प्रेस परिषद की कल्पना की थी। परिणाम स्वरूप 4 जुलाई 1966 को भारत में प्रेस परिषद की स्थापना की गई जिसने 16 नवम्बर 1966 से अपना विधिवत कार्य शुरू किया। तब से लेकर आज तक प्रतिवर्ष 16 नवम्बर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। राष्ट्रीय प्रेस दिवस पत्रकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से स्वयं को फिर से समर्पित करने का अवसर प्रदान करता है।

मीडिया को समाज का दर्पण एवं दीपक दोनों माना जाता है। चाहे वे समाचार पत्र हों या समाचार चैनल, उन्हें मूलतः समाज का दर्पण माना जाता है। दर्पण का काम है वह समाज की हू-ब-हू तस्वीर समाज के सामने पेश कर सकें। परन्तु कभी-कभी निहित स्वार्थों के कारण ये समाचार मीडिया समतल दर्पण की जगह उत्तल या अवतल दर्पण की तरह काम करने लग जाते हैं। इससे समाज की उल्टी, अवास्तविक, काल्पनिक एवं विकृत तस्वीर भी सामने आ जाती है। तात्पर्य यह है कि खोजी पत्रकारिता के नाम पर आज पीली व नीली पत्रकारिता हमारे कुछ पत्रकारों के गुलाबी जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही है। भारतीय प्रेस परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा भी है कि भारत में प्रेस ने ज्यादा गलतियां की है एंव अधिकारियों की तुलना में प्रेस के खिलाफ अधिक शिकायतें दर्ज हैं। वर्तमान समय में पत्रकारिता का क्षेत्र व्यापक हो गया है। पत्रकारिता जन-जन तक सूचनात्मक, शिक्षाप्रद एवं मनोरंजनात्मक संदेश पहुंचाने की कला एंव विधा है। समाचार पत्र एक ऐसी उत्तर पुस्तिका के समान है जिसके लाखों परीक्षक एवं अनगिनत समीक्षक होते हैं। अन्य माध्यमों के भी परीक्षक एंव समीक्षक उनके लक्षित जनसमूह ही होते हैं। तथ्यपरकता, यथार्थवादिता, संतुलन एंव वस्तुनिष्ठता इसके आधारभूत तत्व है। परन्तु इनकी कमियां आज पत्रकारिता के क्षेत्र में बहुत बड़ी त्रासदी साबित होने लगी हैं। पत्रकार चाहे प्रशिक्षित हो या गैर प्रशिक्षित, यह सबको पता है कि पत्रकारिता में तथ्यपरकता होनी चाहिए। परन्तु तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर, बढ़ा-चढ़ा कर या घटाकर सनसनी बनाने की प्रवृति आज पत्रकारिता में बढ़ने लगी है। रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर्स (आरएसएफ) के 2025 विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत 180 देशों में से 151वें स्थान पर है। यह साल 2024 में 159वें और 2023 में 161वें स्थान से थोड़ा बेहतर है। लेकिन भारत अभी भी बहुत गंभीर प्रेस स्वतंत्रता श्रेणी में है। भारत नेपाल (90वां), मालदीव (104वां), श्रीलंका (139वां) और बांग्लादेश (149वां) जैसे पड़ोसी देशों से नीचे है। नॉर्वे, एस्टोनिया और नीदरलैंड प्रेस स्वतंत्रता में वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन प्रदर्शनकारी हैं। पहली बार, वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता को आर्थिक दबावों के बढ़ने के कारण कठिन स्थिति में देखा जा रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों में मीडिया पर जातिवाद और सम्प्रदायवाद जैसे संकुचित विचारों के खिलाफ संघर्ष करने और गरीबी तथा अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में लोगों की सहायता करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। क्योंकि लोगों का एक बहुत बड़ा वर्ग पिछड़ा और अनभिज्ञ है।

योग स्वस्थ सुखी, सक्रिय व विश्वसनीय जीवन का मार्ग प्रस्तुत करता है

कांतिलाल मांडोत

उसके भीतर यदि छटपटाहट, बेचैनी व अशान्ति है तो बाहर चेहरे पर उदासी, निस्तेजता, भय, अविश्वास, अस्थिरता, निराशा आच्छादित है। इन सबसे वह मुक्त होने का पुरजोर प्रयत्न करता है पर, मुक्ति उसे मिल नहीं पाती। कोई भी चिकित्सा, उपाय उसे राहत नहीं दे पा रहे हैं, तब वह योग की शरण लेता है। योग स्वस्थ, सुखी, सक्रिय व विश्वसनीय जीवन जीने का मार्ग प्रस्तुत करता है। यह वह कल्पवृक्ष है जो बिना किसी भेदभाव के सबको सुख व शान्ति की छाया देता है। जिन विषयों के बारे में विज्ञान आज चुप्पी साधे हुए है उन सभी विषयों का सन्तोषप्रद समाधान योग के पास है। वास्तव में योग हर समस्या का समाधान है। यह व्यक्ति के तन और मन को स्वस्थ ही नहीं रखता है, अपितु व्यक्तित्त्व-विकास और रूपान्तरण दोनों का साधन भी है। योग अन्तरंग को अनन्त आनन्द से आप्लावित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह मन का परिमार्जक है। किन्तु योग को समस्याओं का विसर्जक नहीं कहा जा सकता। जगत् और चैतन्य जब तकदोनों हैं तब तक समस्याएँ तो बनी रहेंगी। ये समस्याएँ हमारे चित्त को उद्वेलित न कर सकें, यह काम योग का है।

जाड़े की शर्दी की इस सुहाने समय में लोग मन पसंद खाना पसंद करते है।सर्दियो में मनुष्य अक्सर भूख से ज्यादा खाना भी खा लेता है तो वह पच भी जाता है।इसके साथ ही योग क्रिया आवश्यक हो जाती है।इस ऋतु में योग क्रिया करने वाला अगले महीनों में ताजगी महसूस करता है।योग करने वाले लोगो पर असाध्य बीमारी नही आती है।योग एक सम्पूर्ण जीवन दर्शन है।इसको जीवन के साथ जोड़ने पर हर बीमारी से व्यक्ति दूर रह सकता है। योग के आलम्बन से जीवन की प्रत्येक समस्या सहज व सहर्ष सुलझायी जा सकती है। यदि कोई यह कहे कि शरीर शक्तियों का खजाना है तो योग उस खजाने की चाबी है। वास्तव में योग जीवन के रहस्यमयी तथ्यों का अन्वेषक है, अनुभूत सत्य का उद्घाटक है। जहाँ यह विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों का आधार है वहीं विज्ञान और पराविज्ञान के क्षेत्र में भी योग की अपनी एक पहचान है। विज्ञान मात्र बहिर्दृष्टि पर केन्द्रित है जबकि योग बहिर्दृष्टि के साथ-साथ अन्तर्दृष्टि की बात करता है।

एक बार वैज्ञानिकों की गोष्ठी में यह प्रश्न उभरा कि सब कुछ पा लेने के बाद आदमी क्या करेगा तो टायनवी ने इस सन्दर्भ में कहा कि आदमी के पास यदि कोई समस्या नहीं होगी तो उसके सामने यही सबसे बड़ी समस्या होगी कि उसके पास कोई समस्या नहीं है। सब कुछ पा लेने के बाद भी उसे तब भी बहुत कुछ पाने और करने को शेष रहेगा और वह है आत्म-जगत् । आत्म-जगत् का क्षेत्र अभी भी अधूरा है। आत्म-जगत् के क्षेत्र में उसे बहुत कुछ अभी भी अनुसंधान करना है। आत्म-सम्पदा-वैभव जहाँ बिखरे पड़े हैं उन्हें बाहर निकालना होता है। वास्तव में समस्याओं और दुःखों का जो आधार है वह है अन्तर्दृष्टि का विलुप्त होना। इस अन्तर्दृष्टि को उसे आज खोजना-खोलना है।

योग में अनन्त शक्ति है। इसकी उपयोगिता असीम है पर, मानव की क्षमता सीमित है। मानव ने अपनी इस सीमित क्षमता के माध्यम से योग की इस अनंत शक्ति को परखने और पहचानने का प्रयास किया है। विदेशी धरती पर यह योग बहुत पहले मात्र सौंदर्य प्रसाधन का एक निमित्त था। मानव में इसको और अधिक गहराई से जानने-समझने की क्षमता बढ़ी तो यह चिकित्सा के क्षेत्र में स्वास्थ्य का मूलभूत आधार बना।मोदी ने रही कसर पूरी कर गई।अंतराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत विदेशी धरती से की गई।आज करीब करीब दुनिया के सभी देश योग कर अपने जीवन को स्वस्थ और सुखमय बना रहे है। कुछ डॉक्टरों ने अपना अभिमत दिया कि रोगों के होने का अधिकांश कारण मात्र शारीरिक नहीं है अपितु मानसिक अस्वास्थ्य प्राण असन्तुलन व रहन-सहन की अव्यवस्था है जिसे योग के द्वारा ठीक किया जा सकता है।

प्राचीनकाल में समस्त बीमारियाँ योग से ही ठीक हुआ करती थीं। उस युग के लोगों का स्वास्थ्य योग मेरुदण्ड पर टिका रहता था। लोग योग क्रियाओं में पारंगत थे। पुरातत्त्व विभाग इस सत्य को स्वीकारता है कि हमारे पूर्वज योग में निष्णात थे। बीच में योग विलुप्त हुआ और एक सीमित क्षेत्र अर्थात् योग, विद्या में प्रशिक्षित वर्ग के लोगों में कैद होकर रह गया।आज योग पुनः जन-जन का प्रिय विषय बनता जा रहा है। डॉक्टर, प्रशासक, शिक्षक, विद्यार्थी, रोगी, वैज्ञानिक, सामाजिक, राजनीतिज्ञ तथा सामान्य गृहस्थ भी अर्थात् प्रत्येक वर्ग की यह जुबान पर है। गाँव से लेकर नगर-महानगरों तक के लोग इस योग के बारे में अधिक से अधिक जानने-समझने की जिज्ञासाएँ रख रहे हैं। वर्तमान युग में आम लोगों की धारणा बनती जा रही है कि तनाव और अशान्ति को रोकने या समाप्त करने का यदि कोई उत्तम उपाय या साधन है तो वह है योग।

योग मानव-जीवन में आयी विकृतियों को, संस्कारों में बदल सकने की अभूतपूर्व क्षमता रखता है। समाज में बढ़ते हुए अपराधों पर नियन्त्रण भी योग के द्वारा ही सम्भव है। यह योग अनेक दूषणों-प्रदूषणों से व्यक्ति को बचाता है। अमेरिकन डॉक्टर तो यहाँ तक कहने लगे हैं कि रोगोपचार की जितनी भी पद्धतियाँ हैं वे सब योग के बिना अपूर्ण हैं। इसी आधार पर पाश्चात्य देशों में तो कार्यालयों, स्कूलादि प्रायः सभी क्षेत्रों में योग का प्रशिक्षण दिया जाने लगा है। वहाँ के लोगों में योग के प्रति रुझान बढ़ रहा है। विदेशियों के भारत आने का प्रमुख कारण एक यह भी है कि वे योग के बारे में अधिक से अधिक जानकारी चाहते हैं क्योंकि वे इस बात से भलीभाँति परिचित हैं कि भारत योग का मूल केन्द्र रहा है। भारत की यह एक अमूल्य निधि है किन्तु विडम्बना है कि जिस सम्पदा के विषय में जानने के लिए विदेशी लोग भारत आकर अपने को धन्य मानते हैं उसी सम्पदा के प्रति भारत के लोग जागरूक नहीं हैं। वे योग से हटकर भोग की दिशा में भटक रहे हैं।

आज भारतवासी ही भारत को भूलते नजर आते हैं। पाश्चात्य संस्कृति के नशे में झूमते नजर आते हैं।पर भारतीय लोग विदेशी चौखट चूमते नजर आते हैं।।

विदेशों में योग के बढ़ते हुए रुझान को देखते हुए यहाँ के अनेक योगी वहाँ पहुँचे। वहाँ उन्हें आशातीत सफलता भी मिली है। अनेक योग-केन्द्रों को खोलकर वहाँ के लोगों के अशान्त व तनावमय जीवन को शान्त व स्वस्थ रखने का इन सभी ने सुन्दर और अभिनव प्रयास किया है। बाबा रामदेव योग गुरु इस क्षेत्र में योग सिखाते है।

विदशी लोग भौतिक संसाधनों से सुसम्पन्न हैं। उन्हें लालसाएँ तृष्णाएँ व्यथित किए हुए हैं। सुख-शांति की प्राप्ति के लिए उनमें बेचैनी, छटपटाहट उसी प्रकार है जिस प्रकार एक माँ का बेटा खो जाने पर माँ उसे खोजती फिरती है। चैन से तब तक नहीं बैठती जब तक वह अपने खोए हुए बेटे को छाती से नहीं लगा ले। ठीक उसी प्रकार इन वैभव-सम्पन्न लोगों के जीवन से सुख-शान्ति जब गुम हो जाती है तो वे भी उसे तलाशते रहते हैं। तलाशते-तलाशते जब उन्हें योग का आश्रय मिल जाता है तब वे प्रसन्नता से झूम उठते हैं। विदेशों में स्थापित ये योग-केन्द्र उनके लिए एक प्रकार से संजीवनी का कार्य कर रहे हैं।

भारतीय योगशास्त्रों के अनुसार अब तक हजारो योग साधन प्रकाश में आए हैं। योग पर इतनी विपुल सामग्री का होना इस बात का प्रमाण है कि योग की आज कितनी माँग है। जीवन में इसकी उपयोगिता निश्चित ही असंदिग्ध है किन्तु इन समस्त योगों का उद्देश्य एवं कार्य तो एक ही है और वह है अनंत आनंद की सम्प्राप्ति।योग-साधनाएँ किसी को भी बलिष्ठ बना सकती हैं। बहुत पहले एक पत्रिका में पढ़ा था कि मास नाम का एक कोरियाई दुर्बल नाटा पहलवान अमेरिका गया। वहाँ उसने नामीगिरामी पहलवानों को कुश्ती में हराने की चुनौती दी। अमेरिका का तत्कालीन कुश्ती चैम्पियन डिकिरियल उससे लडा। डिकिरियल मास की तुलना में ज्यादा बलिष्ठ और बड़ा लम्बा था।यह जीवात्मा परमात्मा से सदा मिला हुआ है, कभी भी जुदा नहीं है। यहाँ तक कि जब वह भौतिक शरीर को त्यागकर बाहर निकल जाता है या गर्भमें निवास करता है या मोक्ष को प्राप्त होता है तब भी वह ईश्वर से जुड़ा ही होता है।कहने का तात्पर्य है कि जीवात्मा किसी भी देश, काल या अवस्था में हो, वह अपने ईश्वर से कभी भी विलग नहीं होता है तब किसी के भी मन में यह प्रश्न उठ सकता है कि जीव और ईश्वर का जब वियोग ही नहीं होता तो फिर इस योग की आवश्यकता ही क्या है इसका उत्तर देते हुए वैदिक आचार्य कहते हैं- यों तो आत्मा का ईश्वर से योग प्रत्येक देश, काल तथा अवस्था में उसी परम देव की परम दया से होता है, यही जीवन है। परन्तु यह स्वाभाविक योग जीव की ओर से नहीं होता और न उसको इस योग का ज्ञान होता है और न उसका अनुभव व आनन्द ही जीव को प्राप्त होता है। अस्तु जीव के ईश्वर के मेल का ज्ञान होना ही योग है और इस अनुभव द्वारा प्रयत्नशील योगीजनों को साक्षात्कार हो जाना ही परमानन्द है। परमानन्द हो जाने के पश्चात् शेष प्राप्त करने के लिए कुछ नहीं रहता। यही परम पद और मोक्ष दशा है।

वैदिक दर्शन से सम्पृक्त अनेक धर्मग्रन्थों में योग के इसी स्वरूप को विभिन्न ढंग से प्रतिपादित करने का प्रयत्न किया गया है। जैसे गीता में योग की परिभाषा इस प्रकार से अभिव्यक्त है- योगः कर्मसु कौशलम् । और समत्व योग उच्चते। पातञ्जलि का योग दर्शन चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहता है। यथा- योगाश्चित वृत्ति निरोधः । जिस प्रकार घोडे को एक स्थान पर बाँधकर उसकी चपलता नष्ट कर दी जाती है उसी प्रकार योग द्वारा चित्तवृत्तियों का शमन किया जाता है। मन आत्मा पर हावी न हो जाए, योग इसकी परहरेदारी करता है। यह एक सजग प्रहरी की भूमिका निभाता है। इस प्रकार वैदिक दर्शन में योग परम सत्ता से सम्पर्क स्थापित करने की एक विशिष्ट प्रक्रिया है और इस प्रक्रिया को पूरा करने की क्षमता योग-शक्ति कहलाती है। योग शब्द का अर्थ-क्षेत्र बड़ा व्यापक है किन्तु उसका लक्ष्य एक ही है और वह है चिन्तन-चेतना को परिष्कृत कर विचार बुद्धि को सुस्थिर रखते हुए आत्मा को परमात्मा से एकाकार होना या तादात्म्य स्थापित करना है।

मोहन का सम्मोहन

-आलोक एम इंदौरिया-

बिहार विधानसभा के आम चुनावों के नतीजों ने एक ओर जहां भाजपा गठबंधन की आशातीत सफलता की एक नई इबारत लिख डाली, तो वहीं दूसरी ओर भाजपा की रणनीति और नेतृत्व की निर्णायक भूमिका को भी राजनीतिक परिदृश्य में सामने लाने और स्थापित करने का काम किया है। निश्चित ही इस चुनाव में मोदी और शाह का करिश्मायी व्यक्तित्व और नेतृत्व ने एक बड़ी लकीर को खींचा है वहीं यदुवंशियों के बैल्ट और पिछड़े वर्ग में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के सम्मोहन का जोरदार असर भी देखने को मिला है। यकीनन भाजपा अलाकमान ने जिस मुराद और उम्मीद से मोहन यादव को बिहार के चुनावी समर में उतारा था उस पर वे न केवल खरे उतरे बल्कि देश में भाजपा की ओर से वे अब सबसे बड़े यादव नेता के चेहरे और ब्रांड के तौर पर स्थापित भी हो गए जो स्थान भाजपा में लगभग खाली था। बिहार चुनाव में मोहन के सम्मोहन ने यदुवंशी बाहुल्य क्षेत्र में न केवल राजद की कोर वोट बैंक को खण्ड–खण्ड कर दिया अपितु युदवंशी बाहुल्य क्षेत्र में यादव वोटों को पहली बार कमल के फूल बाला बटन दवाने को भी मजबूर कर दिया। यह सच है कि मोहन यादव के सघन और धुंआधार प्रचार से एनडीए के पक्ष में बड़ा ही सकारात्मक माहौल उनके दायित्व वाले विधानसभा क्षेत्रों में बना जिसका प्रभाव पूरे बिहार में भी पड़ा।

बिहार के प्रतिष्ठापूर्ण चुनावों में यूं तो मोदी और शाह के नेतृत्व में भाजपा के तमाम नेताओं ने प्रचार किया और बेहतर से बेहतर काम एनडीए के पक्ष में किया। निश्चित ही मोदी और शाह का नेतृत्व अपना करिश्मा दिखा रहा था लेकिन राजद का कोर वोटर यानि यादव और मुस्लिम वोटों की युति को भंग करने और इन्हें विभाजित करने की तरकीब आला कमान तलाश रही थी और उसकी यह तलाश आखिर में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम पर आकर ठहर गई। यदि भाजपा को खंगालें तो उसके पास पूरी भाजपा में अखिलेश, लालू या फिर तेजस्वी को टक्कर देने वाला एक भी यादव नेता नहीं है। जबकि उ.प्र. में ये वोटर 18 प्रतिशत और बिहार में 15 प्रतिशत हैं और यह पूरी तरह से दोनों ही राज्यों में सत्ता में डोमिनेट रहे हैं। उ.प्र. में मुलायम सिंह, अखिलेश सिंह तथा बिहार में लम्बे समय तक लालू राज में यादव समाज ने राजनीति में खासा ऊंचा मुकाम बना लिया था और सत्ता की कहानी हमेशा इनके ईद–गिर्द घूमती थी। एम वाय समीकरण यानी यादव और मुस्लिम वोट बैंक की युति के दम पर सत्ता में आने का सीधा रास्ता इनके पास था। मगर एमवाय समीकरण के चलते भाजपा को सत्ता में आने के लिए न केवल कड़ा परिश्रम करना पड़ा बल्कि यादव वोट बैंक को अपने पक्ष में करने लिए राजनैतिक इलाज भी तलाशना पड़ा।

इस बार के चुनाव में भाजपा अलाकमान ने यादव समाज के कद्दावर नेता के रूप में स्थापित हो चुके मध्य प्रदेश के काबिल मुख्यमंत्री मोहन यादव को बिहार के अखाड़े में यह सोचकर उतारा कि वे यादव वोटों में सेंघ लगाकर उन्हें भाजपा की तरफ मोड़ेंगे। निश्चित ही यह बड़ी चुनौती थी। भाजपा का उद्देश्य था कि एक सम्मानित और देश के एक मात्र यादव मुख्यमंत्री के रूप में मोहन यादव एनडीए के लिए सबसे ज्यादा मुफीद हो सकते हैं। इसी के चलते उन्हें 50 से अधिक सीटें पर प्रचार और कुछ क्षेत्रों में प्रत्याशियों के नामांकन भराने तक की जिम्मेदारी भी दी गई। इसके अतिरिक्त दो दर्जन से अधिक सीटों की सीधी कमान भी उन्हें संभाला गई।

गुजरात के डेडियापडा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य आदिवासी समागम

भारत के राजनीतिक परिदृश्य में आदिवासी समाज की भूमिका आज पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। जनजातीय पहचान, अस्मिता, अधिकार और विकास ये सभी मुद्दे अब राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में हैं। इसी पृष्ठभूमि में गुजरात के डेडियापडा में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य कार्यक्रम न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव था, बल्कि यह आदिवासी गौरव और राष्ट्रीय सम्मान का सम्मिलित चित्र भी प्रस्तुत करता है ।बीरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मोदी ने जनजातीय परंपराओं, पोशाकों और नायकों को गौरवमयी स्थान दिया। विशेष रूप से, जब मोदी ने स्वयं आदिवासी पारंपरिक पोशाक धारण कर बिरसा मुंडा को नमन किया, तब पूरा वातावरण भावनात्मक और उत्साह से भर उठा।

कांतिलाल मांडोत

बीरसा मुंडा को श्रद्धांजलि आदिवासी गौरव का राष्ट्रीय प्रतीक है।मोदी ने कहा कि बीरसा मुंडा केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा हैं।उनका अग्रसक्रिय योगदान, संघर्ष और जनजागरण ने ब्रिटिश सत्ता को चुनौती दी थी। उन्होंने अत्याचारों का विरोध किया, उलगुलान यानी महान क्रांति का नेतृत्व किया और अपने अल्प जीवन में वह कर दिखाया जो कई पीढ़ियाँ नहीं कर पातीं।मोदी ने मंच से स्पष्ट कहा कि आदिवासी समाज ने देश का मान, सम्मान और संस्कृति को जिंदा रखा है। भारत का इतिहास आदिवासी वीरता के बिना अधूरा है।ये शब्द केवल प्रशंसा नहीं थे, बल्कि वर्षों से मुख्यधारा इतिहास में उपेक्षित आदिवासी योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने का एक सशक्त संदेश था।

आदिवासी पोशाक में मोदी का संदेश प्रतीकात्मक नहीं, आत्मीय था।प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में आदिवासी पारंपरिक वेशभूषा धारण की। यह केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं था, बल्कि यह आदिवासी संस्कृति के प्रति सम्मान, आत्मीयता और कृतज्ञता का भाव था।

हजारों आदिवासी भाई-बहन अपने पारंपरिक नृत्य, गीत और परिधानों में उपस्थित थे। जब उन्होंने देखा कि देश का प्रधानमंत्री उनके रूप में, उनकी भाषा और उनके चिह्नों के साथ मंच पर खड़ा है, तो यह पल उनके लिए गर्व का क्षण बन गया।मोदी का यह कदम संदेश देता है किआदिवासी केवल वोटबैंक नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के केंद्र में हैं। चार किलोमीटर का विशाल रोड शो जनसमर्थन का सागर झलक उठा।डेडियापडा में पीएम मोदी का लगभग 4 किलोमीटर लंबा रोड शो अभूतपूर्व रहा।

हजारों-लाखों लोग सड़क के दोनों ओर खड़े थे। महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने पारंपरिक संगीत, ढोल और लोकगीतों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया।कई स्थानों पर लोगों ने फूल वर्षा की, कहीं ढोल-नगाड़ों से स्वागत हुआ, तो कहीं जनजातीय नृत्य मंडलियों ने रोड शो को उत्सव में बदल दिया।यह जनसमर्थन यह दर्शाता है कि आदिवासी समाज के दिल में मोदी सरकार के प्रति गहरा विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव है।कांग्रेस पर प्रहार किया। स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी योगदान की उपेक्षा का आरोप

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस ने दशकों तक आदिवासी वीरों के योगदान को इतिहास से मिटाया। जिन आदिवासियों ने अंग्रेजों से सीधे संघर्ष किए, उनकी बात तक किताबों में नहीं लिखी गई।मोदी की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आजादी के संघर्ष में बिरसा मुंडा, टांट्या भील, सिद्धो-कान्हू, रानी दुर्गावती, रानी गाइडिनल्यू जैसी असंख्य जनजातीय हस्तियों को लंबे समय तक मुख्यधारा इतिहास-लेखन में स्थान नहीं मिला।मोदी ने यह भी कहा कि–

कांग्रेस केवल अपने नेताओं का महिमामंडन करती रही, आदिवासी बलिदानी इतिहास को छिपाया।इस बयान का संदेश साफ था कि आदिवासी वोटबैंक को सम्मान के साथ जोड़ने की राजनीति कांग्रेस नहीं कर सकी, वहीं भाजपा ने इसे अपनी प्राथमिकता बनाई।

बुलेट ट्रेन और जनजातीय क्षेत्रों का विकास नये युग की ओर कदम है।मोदी ने भाषण में बुलेट ट्रेन परियोजना का भी उल्लेकिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचा, रेलवे और हाईस्पीड ट्रेनों का लाभ अब आदिवासी क्षेत्रों तक पहुँचेगा।

हालाँकि बुलेट ट्रेन का सीधा मार्ग हर जनजातीय क्षेत्र को नहीं छूता, परंतु इससे जुड़े रोजगार, उद्योग, पर्यटन और परिवहन सुधार का लाभ अप्रत्यक्ष रूप से आदिवासी समाज तक पहुँचेगा।

उन्होंने कहा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे लोगों तक पहुँचना चाहिए। आदिवासी क्षेत्र अब पिछड़े नहीं, बल्कि नए भारत की प्रगति के केंद्र बनेंगे।आदिवासी समाज को भाजपा के समर्थन का बढ़ता आधार है और मोदी के इस दौरे से यह भी स्पष्ट हो गया कि भाजपा आदिवासी समाज को राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण मानती है।

गुजरात, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, छत्तीसगढ़ इन सभी राज्यों में आदिवासी मतदाता निर्णायक हैं।

भाजपा की रणनीति स्पष्ट है कि: पहचान, सम्मान, विकास और सांस्कृतिक गौरव को राजनीतिक सशक्तिकरण से जोड़ना होगा।

मोदी द्वारा आदिवासी पोशाक पहनना, बिरसा मुंडा की पूजा, आदिवासी वीरों को याद करना, उनके त्योहारों को राष्ट्रीय पहचान देना,यह सब भाजपा को आदिवासी समाज से गहरा समर्थन दिला रहा है।

मोदी सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में ईको-टूरिज्मवन उत्पादों का स्वक्तन धन केंद्र प्रधानमंत्री आदिवासी विकास मिशन आदिवासी छात्रों के लिए एकलव्य मॉडल स्कूल जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास को जमीनी स्तर तक पहुँचाया।इससे जनजातीय क्षेत्रों में भाजपा की लोकप्रियता लगातार बढ़ी है। कांग्रेस की तुलना में भाजपा की छवि अधिक प्रभावी बनी है। कार्यक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही था कि आदिवासी समाज भाजपा को अपने हितैषी और निकटतम मानता है।जहाँ कांग्रेस को अक्सर यह कहा जाता है कि उसने आदिवासी इलाकों का चुनावी उपयोग किया, वहीं मोदी सरकार ने विकास और सम्मान को प्राथमिकता दी है। मोदी ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी समाज को गरीबी में रखा, जबकि भाजपा उन्हें सम्मान और अवसर दे रही है।डेडियापडा का समागम आदिवासी राजनीति की नई दिशा दी गई।डेडियापडा में हुआ समारोह केवल एक चुनावी रणनीति नहीं था यह आदिवासी समाज के प्रति राष्ट्रीय राजनीति की बदलती संवेदना का संकेत था।यह दिखाता है कि भारत की राजनीतिक दिशा अब केवल सत्ता-गणित पर आधारित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक गौरव, इतिहास और पहचान पर भी आधारित है।मोदी की इस यात्रा से ये संदेश निकले कि आदिवासी गौरव अब भारत की राष्ट्रीय पहचान का हिस्सा है। प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं में जनजातीय समाज सबसे ऊपर है। कांग्रेस की तुलनात्मक आलोचना भाजपा के पक्ष में राजनीतिक माहौल मजबूत करती है। विकास योजनाएँ और सांस्कृतिक सम्मान दोनों को संतुलित रूप में पेश किया गया। 2025ङ्क2026 के चुनावों में आदिवासी समाज निर्णायक भूमिका निभाएगा।डेडियापडा कार्यक्रम आदिवासी गौरव और राष्ट्रीय नेतृत्व का ऐतिहासिक संगम है।प्रधानमंत्री मोदी का डेडियापडा दौरा सिर्फ एक राजनीतिक रैली नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक घोषणा थी।यह भारत के उस परिवर्तन की तस्वीर है जहाँ आदिवासी समाज को समाज के केंद्र में लाकर उनके योगदान को सम्मान दिया जा रहा है।बीरसा मुंडा के प्रति सम्मान, आदिवासी पहनावे में प्रधानमंत्री की उपस्थिति, चार किलोमीटर का जनसैलाब रोड शो, कांग्रेस पर प्रहार, बुलेट ट्रेन जैसे बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख और आदिवासी समाज को भाजपा से मिलने वाला लाभ इन सभी ने मिलकर इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री

8 हॉस्टल का शिलान्यास किया, बिरसा मुंडा चौक नामकरण की भी घोषणा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 'जनजातीय गौरव दिवस' का आयोजन किया गया। गोंडवाना भवन मैदान, इमली गोलाई में हुए इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस अवसर पर आठ आदिवासी हॉस्टल सहित कई निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया गया। साथ ही मनेंद्रगढ़ के इमलीगोलाई चौक का नाम भगवान बिरसा मुंडा चौक रखने और उनकी प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा भी की गई।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव और नगर निगम चिरमिरी के सभापति संतोष सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन को भी सुना।

इस दौरान नवनिर्मित प्रधानमंत्री आवास की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी गईं और सर्व आदिवासी समाज की ओर से समाजसेवियों, खिलाड़ियों और वरिष्ठजनों को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि देशहित में सर्व आदिवासी समाज का योगदान हमेशा उल्लेखनीय रहा है।

उन्होंने जिला प्रशासन को इमलीगोलाई चौक का नाम बदलने और मूर्ति स्थापित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम स्थल पर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए गए, जिनके माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

एसपी की गाड़ी जाम में फंसी, भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिना अनुमति मनाया जश्न

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बिहार चुनाव में जीत का जश्न मनाया। मनेन्द्रगढ़ शहर के गांधी चौक में जश्न के दौरान एसपी रत्ना सिंह की गाड़ी जाम में फंस गई। इस दौरान मौके पर एक भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था।

एसपी ने खुद अपनी कार का शीशा नीचे कर कार्यकर्ताओं को सड़क से हटने के लिए कहा, जिसके बाद उनकी गाड़ी आगे बढ़ पाई।

सिटी कोतवाली प्रभारी मनीष तिवारी ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस आयोजन के लिए कोई अनुमति नहीं ली थी और न ही पुलिस को इसकी जानकारी दी थी।

पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की: सूचना मिलने पर मनेन्द्रगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और कार्यकर्ताओं को सड़क किनारे जश्न मनाने को कहा। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर ली थी।

यह जश्न काफी देर तक चला, जिसमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और डीजे साउंड पर डांस किया। इस पूरे घटना क्रम का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

डॉ. अलका तिवारी बनीं नई सीएमएचओ, अवैध क्लिनिकों पर कार्रवाई न करने के चलते डॉ. आरके वर्मा को पद से हटाया

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके वर्मा को पद से हटा दिया गया है। उनके स्थान पर जिला चिकित्सालय में पदस्थ डॉ. अलका तिवारी को नया सीएमएचओ नियुक्त किया गया है। डॉ. वर्मा को पुष्पराजगढ़ का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। डॉ. वर्मा को हटाने के पीछे जिले के स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त अव्यवस्थाएं मुख्य कारण बताई जा रही हैं। उनके कार्यकाल के दौरान कई अवैध क्लिनिक संचालित हो रहे थे। इन क्लीनिकों में मरीजों की मौत के मामले भी सामने आए थे, जिससे डॉ. वर्मा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे थे।

पहले भी कलेक्टर ने डॉ. वर्मा को पद से हटाया था: यह पहली बार नहीं है जब डॉ. वर्मा को पद से हटाया गया है। इससे पहले भी कलेक्टर हर्षल पंचोली ने उन्हें हटाया था, लेकिन डॉ. वर्मा ने उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया था। इस बार, डॉ. आरके वर्मा को हटाकर डॉ. अलका तिवारी को सीएमएचओ का प्रभार सौंपा गया है। डॉ. तिवारी इससे पहले जिला चिकित्सालय में कार्यरत थीं। वहीं, डॉ. वर्मा को पुष्पराजगढ़ के खंड चिकित्सा अधिकारी का पदभार दिया गया है।

भालुओं का दिन में भी विचरण, वन विभाग और पुलिस मौके पर पहुंची; वार्ड में कराई जा रही मुनादी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ के शहरी क्षेत्र में भालुओं का विचरण जारी है। पहले भालू सिर्फ रात में विचरण कर रहे थे, लेकिन अब दिन में भी देखे जा रहे हैं, जिससे शहरवासियों में दहशत का माहौल है। रविवार सुबह नगर पालिका के वार्ड नंबर 17 में तीन भालू देखे गए। सूचना मिलने पर वन विभाग और सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने निगरानी तो की, लेकिन भालुओं को पकड़ने के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए। इससे स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है।

हमले में कई लोग हो चुके हैं घायल: सोशल मीडिया से जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे विधायक प्रतिनिधि सरजू यादव ने वन विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए। भालुओं को पकड़ने के उपाय करने चाहिए, क्योंकि भालू कई महीनों से शहर के कई वार्डों में विचरण कर रहे हैं, जिसके हमले से कई लोग भी घायल हो चुके हैं, अगर उचित कार्रवाई नहीं हुई तो कभी भी बड़ी घटना घट सकती है।

वार्ड में कराई जा रही मुनादी: सिटी कोतवाली प्रभारी मनीष तिवारी ने बताया कि तीन भालुओं का विचरण कर रहे हैं। भालू अभी सो रहे हैं और लोगों को भालू वाले क्षेत्र में जाने से मना किया जा रहा है। इसके लिए वार्ड में मुनादी भी कराई जा रही है। भालुओं के अगले मूवमेंट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

1 बाइक पर 5 सवार, पुलिस ने एमवी एक्ट के तहत 1800 रुपए का वसूला जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में एक बाइक पर पांच लोगों को सवार देखकर पुलिस ने 1800 रुपए का जुर्माना वसूला।

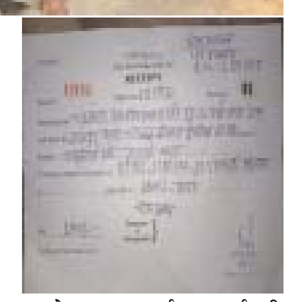

जानकारी के मुताबिक, कोरिया के रहने वाले चंद्र प्रताप विश्वनाथ सिंह (21) अपनी बाइक पर पांच सवारियों को बैठाकर चला रहा था। पुलिस ने उसके खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) की धारा 3/181, 128/177 और 129/194(1) के तहत कार्रवाई की।

यातायात नियमों का उल्लंघन: उससे 1800 हजार रुपए का समन शुल्क वसूल किया गया। चालक को सख्त हिदायत दी गई है कि दोबारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। एसपी रत्ना सिंह के निर्देश पर जिले में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुर्घटनाओं को कम करने और यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, यातायात नियम और बीमा संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। साथ ही, यातायात नियमों के पालन और जागरूकता के लिए कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

चिरमिरी में पीलिया से हुई मौतों पर शासन की चुप्पी, कांग्रेस ने उठाए सवाल; एफआईआर और मुआवजा देने की मांग तेज

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। नगर निगम चिरमिरी के छोटाबाजार क्षेत्र में जुलाई-अगस्त के दौरान दूषित पानी की सप्लाई से फैले पीलिया संक्रमण ने सैकड़ों लोगों को बीमार कर दिया था। एसईसीएल और नगर निगम की पाइपलाइनों से मिले गंदे, गैस-मिश्रित पानी तथा साफ-सफाई की बदइंतजामी को इसका प्रमुख कारण बताया गया। हालात इतने बिगड़े कि उल्टी-दस्त, बुखार और पीलिया की चपेट में आए तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि करीब 500 लोग अस्पतालों में भर्ती होकर कई दिनों बाद स्वस्थ हो सके।

घटना के समय प्रशासन ने टैंकरों से पेयजल आपूर्ति और मोहल्लों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर तत्परता दिखाई थी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी मौके पर पहुँचकर दोषियों पर एफआईआर कराने की चेतावनी दी थी। परंतु तीन महीने बाद न तो कार्रवाई हुई और न ही हालात में कोई स्थायी सुधार दिखा।

जनदर्शन कार्यक्रम में पूर्व महापौर और जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष के. डोमरू रेड्डी ने अपर कलेक्टर अनिल सिदार को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन की लापरवाही पर कड़ी आपत्ति जताई। रेड्डी ने कहा कि बिना फिल्टर के खदान का पानी सप्लाई होना, साफ-सफाई की कमी और पाइप लाइनों का नालियों से जुड़े होना, इस संकट के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन की याद दिलाते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

कांग्रेस ने मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग भी दोहराई है। रेड्डी ने कहा कि प्रशासन को जिम्मेदारी तय कर भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे।

पीडीएस चावल की कालाबाजारी का बड़ा खुलासा

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। गरीबों को सस्ते मूल्य पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने सरकारी योजना के बीच चिरमिरी क्षेत्र में पीडीएस चावल की तस्करी और कालाबाजारी का संगठित नेटवर्क सक्रिय पाया गया है। क्षेत्र की कई राशन दुकानों से बड़े पैमाने पर चावल की खरीदी कर उसे महंगे दामों में बेचने का गोरखधंधा चल रहा है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तस्कर पहले मोटरसाइकिल से दुकानों के आसपास से चावल की बोरियां उठाकर एक गुप्त स्थान पर जमा करते हैं। पर्याप्त मात्रा इकट्ठा होने के बाद पिकअप वाहन से इसे दूसरे क्षेत्रों में ले जाकर छिपाया जाता है, जहां इसे ऊंची कीमत पर बेचा जाता है। यह खेल न केवल सरकारी योजनाओं को कमजोर कर रहा है, बल्कि गरीबों के हक पर भी सीधा प्रहार है।

चिरमिरी के जागरूक नागरिकों ने प्रशासन से इस अवैध गतिविधि पर तुरंत रोक लगाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते इस नेटवर्क को नहीं तोड़ा गया तो गरीबों तक राशन पहुंचना मुश्किल हो जाएगा।

मामले पर एसडीएम चिरमिरी बिजेंद्र सारथी ने कहा कि, 'इस पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पूर्व में भी चावल का गोरखधंधा करने वालों को किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी गई है और आगे भी नहीं दी जाएगी। गरीबों के हक पर डाका डालने वाले चावल तस्करों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।

वन विभाग की 'जेसीबी' नीति ने उजाड़ा 'सुनरेया' जंगल, सब रेंज सुरवया में प्लांटेशन के नाम पर नियमों का गला घोटा गया

मीडिया ऑडीटर, सुनरेया (निप्र)। पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय रोज़गार सृजन के वन विभाग के दावे सब रेंज सुरवया के सुनरेया फॉरेस्ट एरिया में धराशायी होते दिख रहे हैं। यहाँ वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्लांटेशन बाउंड्री निर्माण कार्य में, Deputy Ranger राजेश शर्मा और Beat Incharge सौरव राजपूत (वन रक्षक) की कथित मिलीभगत से वन नियमावली का खुला उल्लंघन किया जा रहा है।

मौके से प्राप्त तस्वीरों में स्पष्ट है कि जेसीबी मशीन का बेरोकटोक इस्तेमाल किया जा रहा है, जो स्थानीय श्रमिकों (लेबर) को काम देने के सरकारी प्रावधान का सीधा उल्लंघन है। इसके कारण न केवल स्थानीय लोगों का रोज़गार छिन रहा है, बल्कि जंगल को भी अपूरणीय क्षति पहुँच रही है।

हरियाली का विनाश और खेर की चोरी: स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, प्लांटेशन की बाउंड्री बनाने के नाम पर, जो पेड़ पहले से ही 2-3 साल पुराने होकर स्थापित हो चुके थे, उन्हें निर्ममता से उखाड़ कर फेंका गया है। प्राप्त साक्ष्यों में खेर के पेड़ों के तने भी दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें काटा गया है।

ग्रामीणों के सनसनीखेज आरोप: 'काटी गई यह कीमती खेर की लकड़ी आसपास के होटलों को बेची जाती है, जहाँ इसे जलावन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। अधिकारी और कुछ स्थानीय लोग मिलकर इस अवैध व्यापार को अंजाम दे रहे हैं, जिससे उन्हें सीधा वित्तीय लाभ हो रहा है।'

पत्थरों का उत्खनन और अवैध कारोबार: जेसीबी मशीन की खुदाई से जमीन के अंदर से भारी मात्रा में पत्थर बाहर निकाले गए हैं, जैसा कि तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई देता है। यह कृत्य सीधे तौर पर वन भूमि पर अवैध उत्खनन की श्रेणी में आता है, जिसके लिए केंद्र सरकार की अनुमति आवश्यक होती है।

ग्रामीणों के आरोप: 'वन विभाग के कर्मचारियों की सहमति से, इन पत्थरों को ट्राली में भरवाकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को कम दाम पर बेचा जाता है।

देश में देसी से ज्यादा विदेशी मुसलमान : गिरिराज सिंह

अमरकंटक में कहा- यही देश के खिलाफ आंदोलन कर पाकिस्तान की मदद करते हैं

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को अनूपपुर जिले के अमरकंटक प्रवास पर है। इस दौरान उन्होंने मां नर्मदा के उद्गम स्थल पर पूजा-अर्चना की और देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद वे सर्किट हाउस पहुंचे, जहां आयोजित बैठक में उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से 2000 लोगों को रोजगार से जोड़ने की योजना की जानकारी दी। मंत्री ने यहां गोंड आर्ट से बनी चित्रकलाओं का अवलोकन भी किया।

घुसपैठियों पर जांच की मांग: अपने प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में अवैध घुसपैठ की स्थिति चिंता का विषय है और इसपर गंभीरता से जांच की जरूरत है।

अमरकंटक में मुस्लिम आबादी बढ़ने को लेकर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा 'मैं अमरकंटक लगभग 25 सालों से आ रहा हूं। जब मैं पहली बार 1998 में आया था, तब यहां एक भी मुस्लिम परिवार नहीं था। अब यह अचानक कैसे बढ़ गए?'

उन्होंने कलेक्टर से बाहरी लोगों की जांच करने की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने देश के मुसलमानों से अपील की कि वे इन घुसपैठियों को संरक्षण न दें। उन्होंने कहा, 'जब कोई पूछता है तो आप कह देते हैं कि यह मेरे खाला का लड़का है।

गिरिराज सिंह बोले- विदेशी मुसलमानों को संरक्षण न दें: उन्होंने बिहार में अपनी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' का जिक्र करते हुए बताया कि वहां एक जिले में 'देसी मुसलमान' से ज्यादा 'विदेशी मुसलमान' हो गए हैं, खासकर बिहार के पूर्वांचल में। गिरिराज सिंह ने देसी मुसलमानों से निवेदन किया कि वे विदेशी मुसलमानों को संरक्षण न दें, क्योंकि उनके कारण ही इन्हें चिह्नित करने में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घुसपैठिए पहले बच्चों का रोजगार छीनते हैं, संसाधनों का उपयोग करते हैं, फिर देश के खिलाफ आंदोलन करते हैं और पाकिस्तान की मदद करते हैं। उन्होंने देसी मुसलमानों से अपील की कि यदि कोई विदेशी मुसलमान आता है, तो वे इसकी सूचना अपने जिलाधिकारी को दें।

बिहार में सरकार बदलने के बाद कार्रवाई की बात: गिरिराज सिंह ने कहा कि यदि बिहार में नई सरकार बनेगी, तो वे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे।

कलेक्टर ने शासकीय कार्यों में लापरवाही पर की कार्रवाई : चंदेरी भ्रमण के दौरान कई अधिकारी-कर्मचारी निलंबित, वेतनवृद्धि रोकी

अशोकनगर, एजेंसी। अशोकनगर कलेक्टर आदित्य सिंह ने शनिवार को चंदेरी क्षेत्र के भ्रमण के दौरान शासकीय कार्यों में लापरवाही और पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में कमी पाए जाने पर कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान कुछ को निलंबित किया गया, जबकि कुछ की वेतनवृद्धि रोकी गई और कई को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। शासकीय प्राथमिक विद्यालय, ग्राम जारसल चक्क में मध्याह्न भोजन चूल्हे पर बनने की शिकायत मिली थी। इस पर संज्ञान लेते हुए, जनपद शिक्षा केंद्र चंदेरी के सी.ए.सी. अशोक ओझा और बी.ए.सी. राम सिंह लोधी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी क्रम में, ग्राम पंचायत

डुंगासरा के सचिव सत्यपाल सिंह पंवार को मुख्यालय पर अनुपस्थित पाए जाने पर निलंबित किया गया। ग्राम जारसल और जारसल चक्क में आंगनवाड़ी के बच्चों को समय पर नाश्ता न मिलने और आंगनवाड़ी केंद्र समय पर न खुलने के कारण पर्यवेक्षक सदमा बानो को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

ग्राम जारसल चक्क के पटवारी कुलदीप सोलंकी अपने नियत मुख्यालय से अनुपस्थित मिले, जिस पर उनकी दो वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई हैं। इसी तरह, ग्राम जारसल के सचिव राजेंद्र सिंह भी मुख्यालय पर अनुपस्थित पाए गए, उनकी भी दो वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए गए हैं। थूबोन का उप-स्वास्थ्य केंद्र बंद मिलने पर बीएमओ प्रशांत दुबे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। विकासखंड शिक्षा अधिकारी चंदेरी सुरभि जैन को ग्राम डुंगासरा का माध्यमिक विद्यालय बंद पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया है। ग्राम जारसल की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ममता लोधी को कार्यस्थल पर अनुपस्थित मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी हुआ। ग्राम जारसल चक्क और ग्राम डुंगासरा के विद्यालयों में गैस चूल्हा उपलब्ध न होने के कारण मिट्टी के चूल्हे पर मध्याह्न भोजन तैयार किए जाने पर विकासखंड स्रोत समन्वयक चंदेरी वेद प्रकाश गोयल को भी कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

इसके अतिरिक्त, ग्राम जारसल और ग्राम डुंगासरा की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित मिलने, बच्चों की उपस्थिति कम होने तथा नाश्ता समय पर उपलब्ध न कराने के मामले में प्रभारी परियोजना अधिकारी चंदेरी मिथलेश रैकवार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। आंगनवाड़ी केंद्र डुंगासरा की कार्यकर्ता सुनीता बाई को भी अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

छतरपुर में 6 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार-ओरछा रोड पर 90 हजार रुपए का अवैध गांजा जब्त

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की है। ओरछा रोड थाना पुलिस ने कैंडी फोरलेन ब्रिज यात्री प्रतीक्षालय के पास से तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 6 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 90,000 रुपए है। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है। ओरछा रोड थाना पुलिस को क्षेत्र भ्रमण के दौरान सूचना मिली थी कि ग्राम कैंडी फोरलेन ब्रिज यात्री प्रतीक्षालय के पास कुछ व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की तैयारी में हैं। सूना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

भागने की कोशिश, पुलिस ने पकड़ा: पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्तियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 6 पैकेटों में 6 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा जब्त किया गया। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान रामजी पाल (पिता कुट्टू पाल, निवासी ग्राम अगरा, थाना सटई), देवीदीन साहू और मोहनलाल साहू (निवासी वार्ड क्रमांक 8, बड़ा मलहरा) के रूप में हुई है।

एक आरोपी पर पहले भी है केस: पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी रामजी पाल पूर्व में मारपीट के एक अपराध में भी लिप्त रहा है।

NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज: तीनों आरोपियों के खिलाफ ओरछा रोड थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है। मामले की आगे की विवेचना जारी है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान का हिस्सा है।

छतरपुर पुलिस की पिछले कुछ महीनों की कार्रवाई: छतरपुर पुलिस द्वारा पिछले कुछ महीनों में एनडीपीएस एक्ट के 90 और आबकारी के 2200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। इस दौरान 52 क्विंटल से अधिक अफीम के पौधे, 1000 किलोग्राम से अधिक गांजा, 500 शीशियां नशीली सिरप, 1200 नशीली टैबलेट, 200 से अधिक इंजेक्शन और 18,000 लीटर अवैध शराब जब्त की जा चुकी है।

ऑर्डिनेस फैक्ट्री में पिंजरे में कैद हुआ तेंदुआ : बकरी के शिकार के लालच में आया; रहवासी क्षेत्र में मूवमेंट से दहशत में थे लोग

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम के ऑर्डिनेंस फैक्ट्री आवासीय क्षेत्र में दहशत फैलाने वाला एक तेंदुआ शनिवार रात पिंजरे में फंस गया है। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने पिंजरा लगाया था, जिसमें वह रात करीब 11=30 बजे बकरी के बच्चे के शिकार के लालच में कैद हो गया। सूचना मिलते ही वन अधिकारी और एसटीआर का अमला मौके पर पहुंचा। तेंदुए को आज (रविवार) सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बोरी रेंज के धांई जंगल में छोड़ा जाएगा।

तेंदुए के पिंजरे में फंसने की सूचना मिलते ही रात 1 बजे वन अधिकारी एसडीओ मानसिंह मरावी, रेंजर अभिषेक शर्मा फॉरेस्ट अमले के साथ मौके पर पहुंचे। एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) के रेस्क्यू अमले को भी

बुलाया गया।

तड़के 4 बजे पिंजरा बागदेव चौकी लाए : तेंदुए के फंसने के बाद वन विभाग ने तड़के 4 बजे पिंजरे को सुरक्षित गाड़ी में रखकर बागदेव चौकी ले आए। पिंजरे को उक्त जगह से दूसरे स्थान पर ले जाया गया।

सितंबर से थी 3 तेंदुओं की दहशत : बता दें कि सितंबर माह से ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के आवासीय क्षेत्र में दो से तीन तेंदुओं का मूवमेंट लगातार बना हुआ था। इससे फैक्ट्री परिसर में रहने वाले लोग और कर्मचारी दहशत में थे।

बकरी के बच्चे का किया था शिकार : लोगों की दहशत को देखते हुए तेंदुए को पकड़ने के लिए वन अमले ने पिंजरा लगाया था। पिंजरे में तेंदुए के शिकार के लिए एक बकरी का बच्चा छोड़ा गया था। विभाग ने कुछ दिन पहले पिंजरे की दो से तीन बार लोकेशन भी बदली थी। शनिवार रात 11=30 बजे तेंदुआ शिकार के लालच में पिंजरे में कैद हो गया।

आज धांई के जंगल में छोड़ा जाएगा: एसडीओ मानसिंह मरावी ने बताया कि रात 11:30 बजे के करीब तेंदुआ पिंजरे में फंसा। रविवार सुबह 11:30 बजे एसटीआर की टीम तेंदुए को बोरी अभ्यारण के धांई के जंगल में छोड़ने के लिए रवाना होगी। छोड़ने से पहले अभी तेंदुए का मेडिकल चेकअप किया जाएगा, जिसके बाद एसटीआर की टीम तेंदुए को जंगल में छोड़ेगी।

बुधनी सब-स्टेशन में कर्मचारी शराब पीते मिला, उपभोक्ता वीडियो रिकॉर्ड करने लगा तो अभद्रता की

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिले के बुधनी स्थित विद्युत वितरण कंपनी के सब-स्टेशन कार्यालय में शनिवार रात एक कर्मचारी को ड्यूटी के दौरान शराब पीते हुए पाया गया। यह घटना तब सामने आई जब एक उपभोक्ता शिकायत दर्ज कराने पहुंचा। उपभोक्ता ने कर्मचारी का वीडियो बनाया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। जानकारी के अनुसार, उपभोक्ता जब सब-स्टेशन पहुंचा तो उसने आउटसोर्स कर्मचारी नीतेश को नशे की हालत में देखा। उपभोक्ता द्वारा सवाल पूछे जाने पर कर्मचारी ने अभद्रता शुरू कर दी, जिससे विवाद की स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि कर्मचारी नीतेश पहले भी कई बार ऐसी हरकतें कर चुका है। हालांकि, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने के कारण उसकी मनमानी लगातार जारी है।

सिवनी में सूने मकान से 3 लाख की चोरी:अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर समेत 45 हजार नकदी चुराए

सिवनी, एजेंसी। सिवनी जिले के छपारा थाना क्षेत्र में एक सूने मकान से लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और अन्य घरेलू सामान चुरा लिए। सूचना मिलने पर छपारा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, चंदेनी गांव निवासी राजकुमार भारद्वाज अपनी पत्नी के साथ आदेगांव के पास सुहागपुर स्थित अपने गांव खेती-बाड़ी के काम से गए हुए थे। उनका मकान सूना था और उस पर ताला लगा हुआ था। सुबह पड़ोसियों ने देखा कि उनके मकान के गेट का ताला टूटा हुआ है, जिसके बाद उन्होंने राजकुमार को सूचना दी।

चोरों ने नकदी और जेवरात चुराए : घर लौटने पर राजकुमार ने देखा कि उनके मकान का सारा सामान बिखरा पड़ा था। पलंग पर रखा एक गद्दा और चादर भी गायब थे। जांच करने पर पता चला कि अज्ञात चोर घर में रखे करीब 2 लाख 50 हजार रुपए के सोने-चांदी के जेवरात और लगभग 45 हजार रुपए नकद चुरा ले गए थे।

टीआई बोले- घर पर ताला लगाकर बाहर जाएं तो सूचित करें: राजकुमार भारद्वाज ने तत्काल छपारा थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। छपारा थाना प्रभारी खेमेन्द्र जेतवार ने बताया कि सूने मकान में चोरी की घटना की सूचना मिली थी और फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अज्ञात चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की है कि यदि वे अपने मकान में ताला लगाकर कहीं बाहर जाते हैं और उसमें कोई कीमती जेवर या नकदी रखी है, तो उसे किसी विश्वसनीय व्यक्ति के पास रखवा दें या अपने साथ ले जाएं। ऐसा करने से सूने मकानों की रेकी करने वाले चोर उन्हें निशाना नहीं बना पाएंगे और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

50 साल के सरकारी टीचर पर छेड़छाड़ का आरोप : रतलाम में 12वीं की छात्रा का पीछा कर घर में घुसा, हाथ पकड़ा

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के रावटी थाना क्षेत्र में 12वीं की एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोप 50 वर्षीय सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक पर लगा है। घटना शनिवार दोपहर की है, जब शिक्षक ने छात्रा का पीछा किया और उसे घर में अकेला पाकर बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। छात्रा ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि शनिवार को स्कूल की छुट्टी थी। घर में माता-पिता व भाभी काम से रतलाम गए थे और भैया दुकान पर थे। दोपहर 3.30 बजे करीब वह खेत पर चने देखने गई थी। खेत से लौटते समय मोहल्ले में रहने वाले गोविंद कसावत सर उसका पीछा करते हुए घर आ गए।

तू बहुत अच्छी लग रही है, नंबर दे : टीचर ने इशारे से कहा कि तू बहुत अच्छी लग रही है। तेरा नंबर दे। छात्रा ने नंबर देने से मना कर दिया। जब वह घर का ताला खोलकर अंदर आई, तो शिक्षक पीछे-पीछे आ गए और कहने लगे कि तुझे पैसे दूंगा। घर के अंदर आने दे। आरोप है कि गोविंद सर जबरदस्ती घर में घुस आए। उन्होंने छात्रा को अकेला पाकर बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। छात्रा घबराकर जोर से चिल्लाई। चिल्लाने की आवाज सुनकर शिक्षक डर

गया और अपने घर चला गया।

किसी को बताया तो जान से मार दूंगा : छात्रा ने बताया कि बाद में वह गोविंद सर के घर जाकर पूछा कि उन्हें नंबर क्यों चाहिए, तो वे कहने लगे कि मेरे घर के अंदर आ तो में तुम्हें समझाता हूं। छात्रा ने घर के अंदर आने से मना कर दिया। बाद में उन्होंने छात्रा से कहा कि किसी को बताना मत मेरी नौकरी चली जाएगी। यदि किसी को बताया तो जान से मारने की धमकी भी दी।

परिवार के आने पर की शिकायत : छात्रा डरकर वापस अपने घर आ गई। उसने अपने पापा को फोन लगाकर सारी बात बताई। शाम को जब मम्मी-पापा, भाई-भाभी घर आए, तो उन्हें पूरी घटना बताई। इसके बाद परिवार के साथ रावटी थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। ।ओं में भारी आक्रोश है। लोग बिजली व्यवस्था संभालने वाले कार्यालय में इस तरह की शराबखोरी पर सवाल उठा रहे हैं। मामले में विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों ने अभी तक चुप्पी साध रखी है और कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया है।

टीचर की पत्नी की हो चुकी है मौत :आरोपी शिक्षक गोविंद कसावत (50) नरसिंग नाका में स्थित सरकारी प्राथमिक स्कूल का टीचर है। जानकारी में सामने आया है कि आरोपी टीचर की पत्नी का निधन हो चुका है और उसका बेटा डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहा है। सैलाना थाना प्रभारी सुरेश गडरिया ने बताया आरोपी टीचर गोविंद कसावत (50) के खिलाफ बीएनएस की धारा 74, 75 (1), 78 (1), 333, 351(3) के अलावा पॉक्सो एक्ट की 11, 12, 7 व 8 के तहत केस दर्ज कर मामला जांच में लिया है।

रायसेन में सीजन की सबसे सर्द रात : पारा 7.5 डिग्री पर लुढ़का, पिछले साल से दोगुनी ठंड; अगले 3-4 दिन ऐसा ही मौसम

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में एक बार फिर कड़ाके की सर्दी ने रफ्तार पकड़ ली है। इस सीजन में पहली बार बीते दो दिनों से रात का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री से नीचे दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर मध्य प्रदेश के साथ रायसेन में भी दिख रहा है। जिले में बीती दो रातों से न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस पर बना हुआ है, जिससे ठिठुरन बढ़ गई है।

दिन में 26 डिग्री तक पहुंच रहा पारा :जहां रातें सर्द हो गई हैं, वहीं दिन का अधिकतम तापमान 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। हालांकि, ठंडी हवाओं के कारण दिन में भी हल्की ठंडक बनी हुई है।

ओस से गीले हुए वाहन, कोहरे की धुंध छाई : सर्दी का असर अब साफ दिखने लगा है। खुले मैदानों और बगीचों में पेड़-पौधों पर ओस की बूंदें थमी हुई नजर आ रही हैं। घर के बाहर खड़े वाहन भी सुबह ओस से गीले हो गए। सुबह के समय कोहरे की धुंध भी छाई रही।

अलाव का सहारा ले रहे लोग : तेज सर्दी से बचने के लिए लोग अब पूरी तरह गर्म कपड़ों में बाहर निकल रहे हैं। वहीं, सुबह-शाम कुछ लोग चौक-चौराहों पर अलाव का सहारा लेते भी दिखाई दिए।

पिछले साल से ज्यादा सर्द है यह नवंबर : पिछले साल नवंबर की तुलना में इस साल नवंबर में अधिक सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 16 नवंबर को रात का अधिकतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था ।

खरगोन मंदिर चोरी का मामला, बदमाश गिरफ्तार-35 हजार के आभूषण जब्त, आरोपी पर हैं 28 मामले दर्ज

खरगोन, एजेंसी। खरगोन पुलिस ने टांडाबरूड के माता मंदिर में हुई चोरी के मामले में सिलोटिया निवासी आरोपी सुरसिंह उर्फ हगरिया पिता दितु तड़वी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी किए गए 35 हजार रुपये मूल्य के चांदी का छत्र और करदोना बरामद किए हैं। आरोपी पर पहले से चोरी, लूट, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, छेड़छाड़ और आबकारी अधिनियम सहित कुल 28 आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह वारदात 18 सितंबर की रात को दुर्गा माताजी मंदिर में हुई थी। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर मूर्ति से चांदी का छत्र, सोने की बाली, चांदी का कमर करदोना और दानपेटी में रखे 2000 रुपये चुरा लिए थे। बरुड थाना प्रभारी लक्ष्मणसिंह लोवंशी ने बताया कि जांच के दौरान सूचना मिली थी ।

शहडोल में घर में अकेली सो रही महिला की हत्या-गर्दन पर धारदार हथियार से हमला; पुलिस जांच में जुटी

शहडोल, एजेंसी। शहडोल के सीधी थाना क्षेत्र में एक महिला (50) की उसके घर में ही शनिवार रात धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। महिला का शव उसके बेटे ने देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, सीधी थाना क्षेत्र के सिचौरा आंगनवाड़ी भवन के पास रहने वाली राजवती गोंड (50) की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई है। हमलावर अभी अज्ञात हैं।

मृतक के बेटे ने पुलिस को सूचना दी : घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोस में रहने वाला उनका बेटा राजकुमार अपनी मां राजवती को जगाने घर पहुंचा। राजकुमार ने बताया कि जब वह पहुंचा तो मां की गर्दन पर धारदार हथियार से हमले के निशान थे और काफी खून बह रहा था। बेटे ने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद डायल 112 पुलिस और थाना स्टाफ मौके पर पहुंचा।

किसानों का बड़ा प्रदर्शन : रेल रोकने पहुंचे, तीन लेयर में बैरिकेडिंग कर रोका

खंडवा, एजेंसी। शनिवार को किसानों ने प्याज के दाम के लिए जिला मुख्यालय से पांच किमी दूर टिगरिया गांव में सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक धरना-प्रदर्शन किया। रेल रोकने के लिए पहुंचे किसान तीन घंटे तक रेलवे ट्रैक से 200 मीटर दूर धरने पर बैठे रहे। रेलवे सहित पुलिस बल ने रेलवे ट्रैक से किसानों को दूर रखने के लिए तीन लेयर में सुरक्षा की बैरिकेडिंग की थी। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने किसानों की मांगों के निराकरण के लिए तीन दिन के भीतर केंद्रीय कृषि मंत्री और मुख्यमंत्री से मुलाकात का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शन शाम 6 बजे स्थगित हुआ। हालांकि किसानों ने सांसद के सामने कहा कि मामले का निराकरण नहीं होता है तो दोबारा आंदोलन करेंगे। शनिवार सुबह 9 बजे से टिगरिया में गुर्जर समाज की धर्मशाला में स्वतंत्र किसान जन आंदोलन के तहत रेल रोकने 40 गांवों के 5 हजार से अधिक किसान एकत्र होना शुरू हुए। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक कंचन तनवे और छाया

मोरे सहित भाजपा जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर मौके पर पहुंचे। किसानों ने इनको जमीन पर बिठाकर पहले अपनी मांगें बताई।

ये हैं किसानों की मांगें : किसान सुभाष पटेल, जय पटेल और त्रिलोक पटेल ने कहा कि प्याज का निर्यात केंद्र सरकार तत्काल खोले, यदि निर्यात नहीं खोलते हैं तो महाराष्ट्र की तर्ज पर 24 रुपए प्रति किलो की दर पर सरकार खुद प्याज खरीदे। अन्यथा प्रदेश सरकार किसानों को प्रति एकड़ 70 से 80 हजार रुपए प्याज फसल की नुकसानी के मुआवजे का भुगतान करें। खंडवा जिले में सोयाबीन फसल की राहत राशि का वितरण सरकार करे। जिले में मक्का की खरीदी समर्थन मूल्य पर किया जाए। मक्का खरीदी को भावांतर योजना में शामिल किया जाए। जिले में कपास की खरीदी भारतीय कपास निगम द्वारा की जाए। दो घंटे का बोलकर निकले सांसद पाटिल, समय पर नहीं आए तो उग्र हुए किसान, ट्रेन रोकने के लिए निकले, पुलिस से उलझे इधर, धरना प्रदर्शन के दौरान सांसद पाटिल ने आंदोलन प्रमुख सुभाष पटेल की मौके पर ही प्रदेश के कृषि मंत्री से बात कराई। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान से बात करने पर अड़े किसानों के सामने सांसद पाटिल ने उन्हें फोन लगाया लेकिन बात नहीं हो सकी। इस पर सांसद पाटिल ने किसानों को दो घंटे के भीतर दोबारा धरना स्थल पर आकर सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री से कराने का आश्वासन दिया और बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम में शामिल होने खंडवा-पंधाना निकल गए। दोपहर 3 बजे तक वे नहीं पहुंचे तो नाराज किसान टिगरिया मांगलिक भवन से बड़गांव गुर्जर रेलवे स्टेशन हाल्ट पर ट्रेन रोकने के लिए निकल पड़े। जिन्हें पहले सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सिंह, तहसीलदार महेश सिंह सोलंकी ने पुलिस बल के साथ रोकने का प्रयास किया लेकिन किसान नहीं माने। इसके बाद टिगरिया से बड़गांवगुर्जर रेलवे स्टेशन हाल्ट रोड पर महिला व पुरुष बच्चों व भगवान बलराम की प्रतिमा के साथ धरने पर बैठ गए।

हर 10 में 8 मरीज 'साइबर कॉन्ड्रिया' से ग्रसित

भोपाल, एजेंसी। इंटरनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने लोगों को मेडिकल जानकारी तो दी है, लेकिन यही जानकारी अब इलाज के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। 'साइबर कॉन्ड्रिया' यानि ऑनलाइन खोजी गई अधूरी चिकित्सा जानकारी के आधार पर बीमारी तय कर लेना, भोपाल समेत देशभर में तेजी से बढ़ रहा है। सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में गैस्ट्रोसाइंसेज के मेंटर डॉ. चेतन भट्ट कहते हैं कि अब मरीज डॉक्टर के पास इलाज कराने नहीं, बल्कि अपना निदान साबित करने आते हैं। इंटरनेट और एआई चैटबॉट आधारित ज्ञान से भ्रमित ये लोग न सिर्फ गलत दवाएं ले रहे हैं।

5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025: एसएमएस स्टेडियम के एथलेटिक्स ट्रैक पर होंगी स्पर्धाएं

जयपुर, एजेंसी। 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के तहत एथलेटिक्स की सभी स्पर्धाएं जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम के एथलेटिक्स ट्रैक पर आयोजित की जायेगी।यह पहली बार है जब राजस्थान इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी कर रहा है। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव और राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् के अध्यक्ष डा. नीरज के. पवन ने बताया कि एथलेटिक्स में सर्वाधिक 556 खिलाडी 23 इवेंट में भाग लेंगे। इन प्रतिभागियों में जहां 304 पुरूष एथलीट्स भाग लेंगे, वहीं 256 महिलायें पदक के लिए जोर आजमाईश करेंगीं। उन्होंने बताया कि एथलेटिक्स में पुरूष व महिलाओं में 100 मी. व्यक्तिगत स्पर्द्धा के साथ 200 मी., 400 मी., 800 मी., 1500 मी, 5000 मी., 10000 मी., 110 मी. हर्डल्स, 400 मी. हर्डल्स, 3000 मी. स्टीपल चेज, 20 कि.मी. वॉक, चार गुना सौ मी. रिले, चार गुना चार सौ मी. रिले, शॉटपुट, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो, हैमर थ्रो, लोंग जम्प, हाई जम्प, ट्रिपल जम्प, पोल वॉल्ट, डेकाथलोन (पुरूष) और हैप्टाथलान (महिला) के अलावा चार गुना 400 मिश्रित रिले की स्पर्द्धाएं शामिल हैं। चार गुना 400 मीटर रिले में सर्वाधिक 48 एथलीट्स पदक के लिए दावा पेश करेंगे। शेष सभी इवेंट में 8-8 एथलीट्स होंगे।

डा. नीरज के. पवन ने बताया कि 20 किमी वॉक को छोड़ एथलेटिक्स के सभी इवेंट्स सवाई मानसिंह स्टेडियम के एथलेटिक्स ट्रैक पर होंगे। इन स्पर्द्धाओं का आयोजन 1 से 4 दिसंबर तक किया जायेगा। एथलेटिक्स ट्रैक की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। वॉक स्पर्धा का आयोजन मुख्य स्टेडियम के बाहर सड़क पर किया जायेगा। इन स्पर्द्धाओं का डीडी स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारण भी किया जायेगा।

कैमरन ग्रीन बन सकते हैं KKR के नए मैच-विनर: पूर्व क्रिकेटर ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 की तैयारियां पूरी रफ्तार में हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) अगले सत्र के लिए बड़ी रणनीतिक बदलावों के साथ आगे बढ़ रही है। अनुभवी ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को रिलीज करने के बाद टीम अगले बड़ा हिटर + उपयोगी गेंदबाज प्रोफाइल की तलाश में है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और विश्लेषक आकाश चोपड़ा ने सुझाव दिया है कि कैमरन ग्रीन, केकेआर के लिए रसेल का अंतिम उन्नत संस्करण साबित हो सकते हैं। उनकी बल्लेबाजी, तेज गति से रन बनाने की क्षमता और बैकअप गेंदबाज के तौर पर उपयोगिता उन्हें मेगा नीलामी में KKR की पहली पसंद बना सकती है।

आंद्रे रसेल युग का अंत और KKR की नई दिशा: एक दशक से अधिक समय तक चयक्र के मुख्य स्तंभ रहे आंद्रे रसेल को रिलीज़ करने का निर्णय फ्रैंचाइज़ी के लिए बड़ा कदम था। 2014 से 2024 तक रसेल ने, 133 मैचों में 2,500+ रन, 175+ स्ट्राइक रेट, 122 विकेट और दो बार IPL में मौस्ट वेल्यूएबल प्लेयर जैसे शानदार रिकॉर्ड बनाए। लेकिन फिटनेस, फॉर्म और टीम संरचना में बदलाव को देखते हुए चयक्र ने मेगा नीलामी से पहले यह कठोर निर्णय लिया। अब टीम नीलामी में 64.3 करोड़ रुपये की विशाल पर्स के साथ उतर रही है। चोपड़ा के अनुसार कैमरन ग्रीन KKR की आवश्यकताओं पर पूरी तरह फिट बैठते हैं। उन्होंने कहा कि केकेआर को ग्रीन को प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि वह रसेल के मुकाबले- अधिक स्थिर बल्लेबाजी, लंबी पारियां खेलने की क्षमता, 3-4 ओवर नियमित गेंदबाजी, टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों में लचीला रोल जैसे गुण प्रदान करते हैं।

भारत ने गंवाया पहला टेस्ट

दक्षिण अफ्रीका ने 30 रन से जीता मैच

कोलकाता । भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मैच साउथ अफ्रीका ने 30 रन से जीत लिया है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मैच में भारत ने द. अफ्रीका को पहली पारी में 159 रन पर ढेर कर पहली पारी में 30 रन की बढ़त बनाई। दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने एक बार फिर कमाल किया और द. अफ्रीका को 153 रन पर ढेर कर दिया जिसमें बावुमा के 55 रन शामिल थे। इस दौरान भारत की जीत नजर आ रही थी लेकिन द. अफ्रीका ने अपनी गेंदबाजी से सभी को हैरान करते हुए कुछ ही घंटों में भारत के सभी विकेट उड़ा दिए और जीत भारत के हाथों से खींच ली।

दूसरे दिन का खेल तय समय से पहले खराब रोशनी के कारण रुक गया। दिन के अंत तक साउथ अफ्रीका का स्कोर था 7 विकेट के नुकसान पर 93 रन। भारत ने पहली पारी में 30 रन की लीड ली थी। जवाब में मेहमान टीम अभी तक 63 रन की लीड ही ले पाई है और उसके सिर्फ तीन विकेट बाकी हैं।

भारत ने पहली पारी में 30 रन की लीड ली थी। जवाब में मेहमान टीम अभी तक 63 रन की लीड ही ले पाई है और उसके सिर्फ तीन विकेट बाकी हैं। भारतीय टीम के लिए स्पिनर्स ने स्थिति मजबूत कर दी है। रविंद्र जडेजा ने 4, कुलदीप यादव ने दो और अक्षर पटेल ने एक विकेट अभी तक अपने नाम कर लिया है।

अपना 51वां टेस्ट खेल रहे बुमराह ने पारी में 16वीं बार पांच विकेट झटक कर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को क्रीज पर ज्यादा समय बिताने का मौका नहीं दिया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के सर्वोच्च स्कोरर एडेन मारक्रम (31) और रियान रिकेलटन (23) को चलता कर शुरुआती झटके देने के बाद शानदार लय में चल रहे टोनी डि जोर्जी (24) को पगबाधा किया। बुमराह ने चाय के विश्राम के बाद साइमन हार्मर (पांच) और केशव महाराज को पवेलियन की राह दिखाकर अपने पांच विकेट पूरे किये। बुमराह को कुलदीप यादव (36 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (47 रन पर दो विकेट) को अच्छा साथ मिला जबकि अक्षर पटेल (21 रन पर एक विकेट) ने भी एक सफलता हासिल की।

भारतीय बल्लेबाजों ने इसके बाद बेहद सतर्क शुरुआत की। टीम ने खराब रोशनी के कारण जल्दी खेल खत्म होने तक 20 ओवर में एक विकेट पर 37 रन बनाये। भारत पहली पारी में अभी 122 रन पीछे है और क्रीज पर लोकेश राहुल (13) के साथ वाशिंगटन सुंदर (छह) मौजूद है। भारत को इकलौता झटका यशस्वी जायसवाल के आउट होने से लगा जो मार्को यानसन की ऑफ स्टंप के करीब की गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटों पर खेल गए। जायसवाल ने अपनी पारी की 16वीं गेंद पर यानसन के खिलाफ चौके के साथ खाता खोलने के बाद मुल्डर की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराये। जायसवाल ऑफ स्टंप के करीब की गेंद को कट करने की कोशिश में यानसन की गेंद को विकेटों पर खेल बैठे। दूसरे छोर से पारी की शुरुआत में अति रक्षात्मक रवैया अपनाने वाले लोकेश राहुल ने मुल्डर के खिलाफ कवर और मिड ऑफ के बीच शानदार ड्राइव से चौका बटोरा।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने भी शानदार लाइन लेंथ से गेंदबाजी की और भारतीय बल्लेबाजों को हाथ खोलने का मौका नहीं दिया। केशव महाराज ने अपनी स्पिन गेंदबाजी से लोकेश राहुल को थोड़ा परेशान किया और गेंद कुछ मौकों पर उनके बल्ले और विकेट के बेहद करीब से निकली यही हाल तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आये वाशिंगटन का भी रहा लेकिन दोनों बल्लेबाज अपना विकेट बचाने में सफल रहे। दक्षिण अफ्रीका ने इससे टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और मारक्रम ने रिकेलटन के साथ टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। मारक्रम को खाता खोलने में 23 गेंद लग गए लेकिन उन्होंने शानदार स्ट्रेट ड्राइव और कवर ड्राइव के साथ शुरुआत की और फिर अक्षर पटेल के खिलाफ बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर से शानदार लेट कट खेला। उन्होंने इस वामहस्त गेंदबाज के खिलाफ कलाई का इस्तेमाल करते हुए मिड-विकेट पर शानदार छक्का जड़ा।

दूसरी तरफ रियान रिकेलटन ने 22 गेंदों पर चार चौकों और 23 रन की आक्रामक पारी के साथ भारत परेशान करना शुरू कर दिया था। बुमराह ने रिकेलटन आउट करके 57 रन की साझेदारी को तोड़ भारत को पहली सफलता दिलाई। उनका अगला ओवर और कमाल का रहा। उन्होंने शॉट गेंद ने तेजी से उछाल ली जिससे सामंजस्य बिठाने का मारक्रम को समय नहीं मिला और गेंद उनके दस्तानों से टकरा कर चोट से उबर कर टीम में वापसी कर रहे विकेटकीपर ऋषभ पंत के दस्तानों में चली गयी। बुमराह ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा को भी परेशान किया लेकिन उनका शिकार कुलदीप यादव ने किया। कुलदीप की स्पिन लेते गेंद ने उनके बल्ले का अंदरुनी किनारा लिया और लेग स्लिप में ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक कर बावुमा की तीन रन की पारी का अंत किया।

शानदार लय में चल रहे डि जोर्जी और मुल्डर ने संभल कर खेलते हुए टीम की वापसी की कोशिश की लेकिन दिन के दूसरे सत्र में कुलदीप के खिलाफ रिवर्स स्वीप की कोशिश में मुल्डर पगबाधा हो गये। बुमराह ने डि जोर्जी को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका दिया। शुरुआती छह ओवरों में 34 रन लुटाने वाले सिराज ने अपने 10वें ओवर में शानदार दोहरी सफलता के साथ दक्षिण अफ्रीका के निचले मध्यक्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने चार गेंदों के अंतराल में काइल वेरेने (16) और यानसन (शून्य) को आउट किया। चाय के विश्राम से एक गेंद पहले अक्षर पटेल ने कॉर्बिन बॉश (तीन) को पगबाधा किया तो वहीं बुमराह ने तीसरे सत्र की शुरुआत में दो विकेट के साथ औपचारिकता पूरी की। इससे पहले भारतीय टीम ने 2012 में इंग्लैंड के खिलाफ नागपुर में खेले गये टेस्ट के बाद पहली बार पहली बार चार स्पिनरों को मैदान में उतारा। इसके उलट दक्षिण अफ्रीका ने सिर्फ दो स्पिनरों को एकादश में शामिल किया। टीम को कैगिसो रबाडा के चोटिल होने से झटका लगा और उनकी जगह तेज गेंदबाज बॉश को मौका मिला।

डब्ल्यूबीबीएल : डिएंड्रा डॉटिन ने गेंद के बाद बल्ले से बिखेरी चमक, रेनेगेड्स ने दर्ज की जीत

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न रेनेगेड्स ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 में 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रेनेगेड्स ने प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर अपनी जगह बना ली है। मेलबर्न रेनेगेड्स ने इस सीजन अब तक 4 में से 3 मुकाबले अपने नाम किए हैं। ब्रिस्बेन हीट और सिडनी थंडर्स के खिलाफ जीत के बाद टीम को एडिलेड स्ट्राइकर्स के विरुद्ध हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, 3 में से 1 मैच जीतने वाली मेलबर्न स्टार्स ने इस सीजन एक मैच गंवाया है, जबकि एक मुकाबला बारिश के चलते बेनतीजा रहा। यह टीम प्वाइंट्स टेबल में पांचवें पायदान पर है।

जंक्शन ओवल में खेले गए इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 7 विकेट खोकर 141 रन बनाए। टीम ने 59 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान एनाबेल सदरलैंड ने मारिजैन कप्प के साथ चौथे विकेट के लिए 44 रन जोड़ते हुए टीम को शतक के करीब पहुंचाया।

रिस मैककेना ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े, जबकि कप्तान सदरलैंड और किम गार्थ ने 29-29 रन बनाए। मारिजैन कप्प ने 22 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, कोई अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सकीं।

विपक्षी टीम से डिएंड्रा डॉटिन ने सर्वाधिक 3 विकेट अपने नाम किए। चारिस बेकर, मिल्ली इलिंगवर्थ, सोफी मोलिन्यूक्स और जॉर्जिया वेयरहैम ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में मेलबर्न रेनेगेड्स ने 18.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। टीम महज 9 रन पर डेविना पेरिन का विकेट गंवा चुकी थी।

इसके बाद सोफी मोलिन्यूक्स ने कोर्टनी वेब के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 58 रन जोड़कर पारी को मजबूती दी। मोलिन्यूक्स 32 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। कोर्टनी वेब ने रेनेगेड्स की पारी में 37 रन का योगदान दिया। गेंद से चमक बिखेरने के बाद डॉटिन ने 6 गेंदों में 1 छक्के और 1 चौके के साथ 13 रन बनाए। उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

टेस फ्लिंटॉफ और निकोल फाल्टम ने सातवें विकेट के लिए 24 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को 7 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। स्टार्स की ओर से किम गार्थ और मैसी गिब्सन ने 2-2 विकेट हासिल किए।

आईपीएल 2026 : रिटेंशन लिस्ट जारी होने के बाद किस टीम के पर्स में कितना पैसा बचा?

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अपने रिटेन खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। बड़े पैमाने पर खिलाड़ियों को रिलीज किया गया है। ऐसे में मिनी ऑक्शन के भी रोमांचक होने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कि रिटेंशन के बाद फ्रेंचाइजियों के पर्स में कितना पैसा है। किस टीम के पास सबसे ज्यादा पैसा है, और कौन सी टीम न्यूनतम पैसे के साथ मिनी नीलामी में उतरेगी। रिटेंशन के बाद केकेआर के पास सबसे ज्यादा पैसा बचा है। आंद्रे रसेल (12 करोड़) और वेंकटेश अय्यर (23.75 करोड़ रुपए) जैसे महंगे खिलाड़ियों को रिलीज करने के बाद केकेआर के पर्स में 64.30 करोड़ हैं। केकेआर के पास

13 जगह खाली हैं, जिनमें छह विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के पास 43.40 करोड़ रुपये हैं। सीएसके नीलामी में दूसरी धनी टीम के रूप में उतरेगी। सनराइजर्स हैदराबाद पर्स में बचे पैसों के आधार पर तीसरी धनी टीम है। एसआरएच के पर्स में 25.50 करोड़ हैं। लखनऊ सुपर जाइंट्स के पास 22.95 करोड़, दिल्ली कैपिटल्स के पास 21.80 करोड़, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास 16.40 करोड़, राजस्थान रॉयल्स के पास 16.05 करोड़, गुजरात टाइटंस के पास 12.90 करोड़, पंजाब किंग्स के पास 11.50 करोड़, और मुंबई इंडियंस के पास 2.75 करोड़ है। मुंबई इंडियंस ऑक्शन में सबसे कम पैसों के साथ उतरेगी। एमआई ने अपने सभी बड़े खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है। आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी 16 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद एरीना में आयोजित की जाएगी। नीलामी में टीमों के पास कुल मिलाकर 237.55 करोड़ का पर्स उपलब्ध होगा, जिसके आधार पर 77 खिलाड़ियों को खरीदा जा सकेगा। हर टीम अधिकतम 25 खिलाड़ियों का स्क्वॉड रख सकती है। मिनी ऑक्शन में सबसे ज्यादा सक्रिय केकेआर और सीएसके नजर आएंगी।

भारत के धनुष ने डेफलिम्पिक्स में एयर राइफल में स्वर्ण जीता, मुर्तजा को रजत

नई दिल्ली । धनुष श्रीकांत ने रविवार को तोक्यो में डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ भारत के लिए खाता खोला। भारत के मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने 250.1 के अंतिम स्कोर के साथ रजत पदक, जबकि कोरिया के बेक सेउंगहाक ने 223.6 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। श्रीकांत ने 252.2 अंक बनाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में भारत के पदकों की संख्या अब दो हो गई है।

भारत के अर्जुन विश्व कप शतरंज के क्वाटर फ़ाइनल में पहुँचे !

गोवा, एजेंसी। विश्व कप 2025 में आज का दिन भारत के लिए शानदार रहा जब भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी नें यूएसए के दो बार के विश्व कप विजेता और बेहद अनुभवी लेवान अरोनियन को दूसरी क्लासिकल बाजी में केल मोहरो से पराजित करते हुए लगातार दूसरी बार फ़ीडे विश्व कप के क्वाटर फाइनल में प्रवेश कर लिया है और ऐसा करने वाले वह विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे खिलाड़ी बन गए है । अर्जुन नें आज काले मोहरो से इटेलियन ओपनिंग में अपने शानदार खेल से अरोनियन के राजा की और बढ़िया दबाव बनाया और उनके सभी मोहरे सक्रियता से अरोनियन के राजा की तरफ़ खेल रहे थे और ऐसे में अरोनियन के मोहरो पर दबाव पड़ रहा था ऐसे में खेल की 42वीं चाल में अरोनियन नें अपने हाथी को अर्जुन के हाथी से बदलने के लिए सामने रखा जो एक बेहद बड़ी भूल थी और इसके बाद अर्जुन नें बिना कोई समय गवाये अपना घोड़ा क़ुर्बान करने के इरादे से आगे बढ़ाया और अरोनियन के वजीर पर हमला कर दिया , ऐसे में अरोनियन के पास या तो मात कराने या अपना हाथी देने के अलावा कोई चारा नहीं बचा पर उन्होंने खेल भावना का परिचय देते हुए मुस्कराकर हार स्वीकार करते हुए अर्जुन को बधाई दी । ज्ञात हो की दो दिन पहले अरोनियन नें कहा था की वह अर्जुन के खेल के प्रशंसक है और उनके साथ ही प्री क्वाटर फाइनल खेलना चाहते है । अब अर्जुन को क्वाटर फाइनल में चीन के वे यी का सामना करना पड़ेगा ।

वहीं भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें आज मेक्सिको के होशे मार्टिनेज अलकांतारा से ड्रा खेला और अब उन्हें कल आगे बढ़ने के लिए टाईब्रेक का सामना करना पड़ेगा । अन्य खिलाड़ियों में उज़्बेकिसतान के जावोखीर सिंदारोव नें जर्मनी के स्वाने फ्रेडरिक को कल की जीत के बाद आज ड्रा पर रोका और क्वाटर फाइनल में स्थान बनाया तो उनके ही हमवतन याकुब्बोएव नोदीरबेक नें अर्मेनिया के सर्गिशियन गैब्रियल को मात देते हुए अगले दौर में जगह बनाई वहीं चीन के वे यी नें यूएस के सेवियन सैमुअल को पराजित कर दिया । अन्य बाजियाँ ड्रा रही।

अब कल टाईब्रेक में भारत के हरिकृष्णा से मेक्सिको के होसे , रूस के डेनियल डुबोव से यूएसए के सैम शंकलैंड ,जर्मनी के अल्केजेंडर डोनचेंको से वियतनाम के ले क्वांग लिम और रूस के अलेक्सी ग्रेबनेव से रूस के आंद्रे एसिपेंको अंतिम आठ में जगह बनाने के लिए खेलेंगे ।

तैराकी - ओलंपिक में कब शामिल हुआ ये रोमांचक खेल

नई दिल्ली, एजेंसी। इतिहास में कभी किसी व्यक्ति ने अगर किसी नदी या तालाब को पार किया होगा, तो उसे शायद ही इसका अनुमान रहा होगा कि आगे चलकर यह प्रथा एक खेल के रूप में विकसित होगी और तैराकी के नाम से जानी जाएगी। उस दिन से तैराकी काफी आगे निकल चुकी है और अब लंबे समय से ओलंपिक जैसे वैश्विक मंच पर एक रोमांचक खेल के रूप में प्रतिष्ठित है। अगर इतिहास पर गौर करें तो लगभग 7000 ईसा पूर्व की गुफा चित्रों में तैराकी के प्रमाण मिलते हैं। प्राचीन मिस्र, ग्रीस और रोम में तैराकी सैन्य प्रशिक्षण, मनोरंजन और स्वास्थ्य का हिस्सा थी। आगे चलकर 19वीं सदी में ब्रिटेन में तैराकी क्लब बने। धीरे-धीरे तैराकी का विकास एक खेल के रूप में हुआ और इसे 1896 के ओलंपिक में शामिल किया गया। महिला तैराकों को ओलंपिक में हिस्सा लेने का मौका 1912 से मिला। 20वीं सदी में तकनीकी प्रगति हुई। फ्लिपर्स, गॉगल्स और स्पीडो सूट जैसे उपकरण आए। फेडरेशन इंटरनेशनल डी नेटेशन की स्थापना 1908 में हुई, जो नियम निर्धारित करती है। समय के साथ तैराकी में फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक,

ब्रेस्टस्ट्रोक और बटरफ्लाई शैलियां विकसित हुईं। 1896 ओलंपिक से शुरू हुआ तैराकी का वैश्विक सफर 2024 ओलंपिक तक एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हो गया है। आज की तारीख में तैराकी को खेल के साथ-साथ फिटनेस के दृष्टिकोण से भी बेहद अहम माना जाता है।

ओलंपिक खेलों में तैराक के रूप में अमेरिका के माइकल फेल्प्स सबसे सफल हैं। फेल्प्स ने ओलंपिक में कुल 28 पदक जीते हैं, जिनमें 23 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। वह न सिर्फ तैराकी में बल्कि किसी भी इवेंट में ओलंपिक इतिहास के सबसे सफल और सबसे ज्यादा मेडल जीतने वाले एथलीट हैं।

तैराकी के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था वाले देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, और सिंगापुर का नाम आता है। सिंगापुर ने रियो ओलंपिक में तैराकी में गोल्ड जीता था। इसके अलावा, स्वीडन, नीदरलैंड, नॉर्वे, और फिनलैंड में भी तैराकी काफी लोकप्रिय है।

अगर भारत की बात करें तो, तैराकी अभी विकासशील अवस्था में है। देश में स्विमिंग पूल की कमी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, प्रमुख बाधा है। स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया नियमित रूप से राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करता है। भारत सरकार लगातार खेलों इंडिया के माध्यम से इस खेल को मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है।

उप मुख्यमंत्री ने टेनिस बाल क्रिकेट टूर्नामेंट का किया समापन

खेलों से हमें प्रतिस्पर्धा और सहयोग की प्रेरणा मिलती है: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने विश्वविद्यालय स्टेडियम में आयोजित स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा में खेलों के कई बड़े आयोजन होते रहे हैं। यहाँ के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक दिखाई है। खेल से तन और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। खेलों से हमें प्रतिस्पर्धा और सहयोग की प्रेरणा मिलती है। खेलों में शामिल होने के साथ-साथ अच्छी खेल प्रतियोगिता को देखना भी बड़ा आनंददायक होता है। राष्ट्रीय एकता मंच ने 10 से 16 नवम्बर तक क्रिकेट प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया। स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल जी के लिए जो हम लोग नहीं कर पाए उसे आयोजन समिति ने करके दिखा दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल का पुत्र होने पर मुझे गौरव का अनुभव होता है। मैं यदि उनका पुत्र नहीं होता तो मैं जहाँ पर हूँ वहाँ शायद नहीं होता। मेरे पिताजी के सामाजिक कार्यों और जनता की सेवा ने उन्हें यशस्वी बनाया। उनके नाम के साथ जुड़ा होने से मुझे भी बहुत प्रतिष्ठा और यश मिला। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय स्टेडियम में खेल सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यहाँ फ्लड लाइट की सुविधा शीघ्र दी जाएगी जिससे रात में भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सके। विधायक गुढ़ नागेन्द्र सिंह के प्रयासों से 1983 में रीवा में इसी स्टेडियम में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के बीच रणजी ट्राफी प्रतियोगिता का मैच खेला गया था।

अब रीवा में स्पोर्ट्स काम्पलेक्स तथा अन्य स्टेडियम के रूप में खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। बड़ी खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से विन्ध्य की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। समारोह में विधायक नागेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए मैं सभी आयोजकों को बधाई देता हूं। खेल संयम और नियम का परिचायक होते हैं। सभी प्रतियोगिताएं खेल भावना से खेली जानी चाहिए। स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल ने सदैव खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। समारोह में विधायक मनगवां नरेन्द्र प्रजापति ने कहा कि खेल भावना से प्रतियोगिता में शामिल होने पर सफलता मिलती है। खेल हमें जीवन के संघर्ष में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में आभार प्रदर्शन नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय ने किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच उड़ीसा और नोएडा के बीच खेला गया। रोमांचक मैच में उड़ीसा की टीम ने विजय प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री तथा विधायक गुढ़ ने विजेता टीम को 10 लाख रुपए तथा ट्राफी प्रदान की। उप विजेता रेड डेविल्स नोएडा को 5 लाख रुपए तथा ट्राफी प्रदान की गई। समारोह में खिलाड़ियों और निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, राजगोपाल मिश्रचारी, मुकेश श्रीवास्तव तथा बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

बाइक सहित नाले में समाया युवक, खंभे से टकराया, मौत

कार में भूल आया था मोबाइल; वापस लाने पुष्पराज नगर जा रहा था

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के बाबा घाट के पास बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। घोघर से पुष्पराज नगर की ओर जा रहे बाइक सवार युवक की नाले में गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। हादसा रात करीब साढ़े 12 बजे का बताया गया है। जहां युवक अनियंत्रित होकर बाइक सहित नाले में समा गया। जानकारी के मुताबिक मृतक युवक की पहचान भूपेंद्र वर्मा, निवासी फोर्ट रोड, गीतांजलि मैरिज हॉल के समीप, के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि भूपेंद्र पेशे से गाड़ी ड्राइवर था। रात में वह किसी काम से घोघर की ओर गया था, जहां उसका मोबाइल फोन किसी की गाड़ी में ही छूट गया। फोन वापस लाने के लिए वह दोबारा बाइक से पुष्पराज नगर की ओर निकला, लेकिन बाबा घाट के समीप उसका संतुलन बिगड़ गया और बाइक सहित नाले में जा गिरा।

हादसा इतना भीषण था कि भूपेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि बाइक किसी बिजली के खंभे से टकराई होगी, जिसके बाद वह नाले में जा गिरी, जिससे सिर में गहरी चोट लगी और उसकी जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक भूपेंद्र की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा तैयार करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेज दिया है। हादसे की विस्तृत जांच जारी है।

गरीबों को कपड़े वितरित कर मनाई गई भगवान बिरसा मुण्डा जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में देशभर में मनाई गई। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित जनशिक्षण संस्थान सुदूर पहाड़ी अंचल में बसे करियाझर गांव में गरीब जनजातीय परिवारों को कपड़े वितरित करके भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती मनाई। ग्राम करियाझर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्र ने बिरसा मुण्डा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। इस अवसर पर श्री मिश्र ने कहा कि बिरसा मुण्डा केवल जनजातियों के ही नहीं पूरे देश के गौरव और नायक हैं। उन्होंने अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष में बढ़चढ़कर भाग लेते हुए कठोर यातनाएं झेली। बिरसा मुण्डा ने छोटा नागपुर क्षेत्र में जनजातियों को संगठित करके अंग्रेजों के विरूद्ध सफल आंदोलन चलाया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक सुनील शुक्ला ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा संघर्ष और बलिदान के प्रतीक हैं। उनका जीवन हम सबको प्रेरणा देता है। आदिवासी युवा जन शिक्षण संस्थान से जुड़कर रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

अब तक 89499 गणना पत्रक डिजिटाइज्ड - बीएलओ घर-घर जाकर भरवा रहे गणना पत्रक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी है। मतदाता के सत्यापन के लिए गणना पत्रक का शत-प्रतिशत वितरण कर दिया गया है। अब सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना पत्रक भरवाकर उसे संकलित कर रहे हैं। इन्हें संकलित करके बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटाइज किया जा रहा है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि 16 नवम्बर को शाम 4 बजे तक मतदाताओं से 89499 गणना पत्रक प्राप्त कर इसे डिजिटाइज कर लिया गया है।

बीएलओ घर-घर जाकर गणना पत्रक संकलित कर रहे हैं। अब तक विधानसभा क्षेत्र गुढ़ में 8003, मनगवां में 17012, रीवा में 17449, सेमरिया में 15822, सिरमौर में 13278 तथा विधानसभा क्षेत्र त्योंथर में 17535 गणना पत्रक डिजिटाइज किए जा चुके हैं। मतदाताओं से बड़ी संख्या में गणना पत्रक प्राप्त हो गए हैं। इन्हें डिजिटाइज करने के लिए पटवारी, ग्राम रोजगार सहायक तथा अन्य तकनीकी कर्मचारी बीएलओ को लगातार सहयोग कर रहे हैं। सभी गणना पत्रक 20 नवम्बर तक शत-प्रतिशत डिजिटाइज करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पटवारी, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा अन्य अधिकारी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण में गणना पत्रक भरवाने और संकलित करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। जिले भर में गणना पत्रक भरवाने के लिए लगातार शिविर लगाए जा रहे हैं। ग्राम गोरगांव, क्योटी, उमरी 64, मढ़ी, भलुहा, जवा तथा अन्य गांवों में भी गणना पत्रक लगातार भरवाए जा रहे हैं। रीवा विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्र क्रमांक 108, 111, 112, 50, 85 तथा 86 में शिविर लगाए गए। ग्राम पंचायत धौंचट में मतदान केन्द्र क्रमांक 218 तथा 219 में बीएलओ द्वारा गणना पत्रक भरवाए गए। राजस्व अधिकारियों द्वारा इन शिविरों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है।

हृदय रोग से पीड़ित नवजात बच्चे को एयर एंबुलेंस से उपचार के लिए भेजा गया मुंबई

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन गंभीर रोगियों को बड़े अस्पतालों तक बेहतर उपचार तक पहुंचाने के लिए एयर एंबुलेंस की सुविधा दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा शुरू की गई इस पहल से कई गंभीर रोगियों को समय पर उपचार की सुविधा मिलने से उनके प्राणों का संकट टला है। रीवा में जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित नवजात शिशु प्रारब्ध तिवारी को एयर एंबुलेंस की सुविधा देकर उपचार के लिए मुंबई भेजा गया। उसे राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से उपचार की नि:शुल्क सुविधा दी जा रही है।

बच्चे के पंजीयन के बाद अब सबसे कठिन चुनौती यह थी कि एक माह का बच्चा जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित है। उसके उपचार के लिए माता प्रियंका तथा पिता शशि भूषण तिवारी निवासी ग्राम मनकहरी ब्लॉक रायपुर कर्चुलियान चिंतित थे। बच्चा हृदय रोग की अति गंभीर समस्या से पीड़ित था तथा उसका शरीर पूरी तरह से नीला पड़ चुका था। उसे सांस लेने में तकलीफ थी और आक्सीजन लेवल घट रहा था। ऐसी स्थिति में बच्चे को तत्काल मुम्बई शिफ्ट कराना था।

बच्चे को ऑक्सीजन पर रखकर एयर एंबुलेंस से भेजा गया। एयर एंबुलेंस की व्यवस्था करने में डॉ राहुल मिश्रा अधीक्षक श्याम शाह मेडिकल कालेज, रवि सिंह का विशेष सहयोग रहा। सभी के सहयोग से बच्चे को समय पर मुंबई एयरलिफ्ट किया जा सका। टीम ने बच्चे को शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाओं के साथ मुंबई के लिए रवाना किया।

मेरा रीवा नशा मुक्त स्वच्छ सुंदर स्वर्णिम रीवा के कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नशा मुक्त भारत-स्वच्छ भारत अभियान के तहत रीवा नगर को स्वच्छ, सुंदर और नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से भव्य जनजागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ ऐतिहासिक मां कालिका मंदिर, रानी तालाब से हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक तथा अनिल दुबे, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय विभाग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद ज्योति राजेश नामदेव, राजबहोर वर्मा, रामप्रकाश तिवारी, प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. के. के. परोहा, तथा नशा मुक्त भारत अभियान के अध्यक्ष सुजीत द्विवेदी सहित 200 से अधिक समाजसेवी, साहित्यकार, व्यापारी, माताएँ-बहनें और नागरिक शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक ने सभी नागरिकों से नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय सहयोग का आह्वान करते हुए प्रत्येक वार्ड में 20-20 स्वयंसेवकों की टीम बनाने की अपील की। कार्यक्रम में अभियान के ब्रांड एंबेसडर लखपति कछवाहा, दीपक तिवारी, संदीप सोंधिया और गायक-एंकर निलेश श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे।

साहित्यकार अमित द्विवेदी और रामसुंदर द्विवेदी ने नशा मुक्ति पर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। ब्रह्माकुमारी संस्थान से बीके लता, डॉ. सविता मिश्रा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन अवधेश श्रीवास्तव और ममता नरेन्द्र सिंह ने किया। बताया गया कि अभियान रीवा के सभी 45 वार्डों में चलाया जाएगा और इसका समापन कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में होगा। अंत में उपस्थित सभी नागरिकों ने नशा मुक्त स्वच्छ सुंदर रीवा बनाने की शपथ ली।

उप मुख्यमंत्री ने दो प्रतिष्ठानों का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के तेजी से विकास के साथ-साथ यहाँ बड़ी संख्या में व्यावसायिक संस्थानों का विकास हो रहा है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में सुभाष चौक में विवेकानंद स्पीच एण्ड हियरिंग सेंटर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संस्थान के खुल जाने से ऐसे बच्चों को लाभ मिलेगा जिन्हें बोलने, सुनने और भाषा संबंधी कठिनाईयाँ हैं। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने यूनिवर्सिटी रोड पर निजी संस्थान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता तथा संस्थान के संचालक एवं आमजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर मऊगंज ने मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार जैन ने कई मतदान केन्द्रों का निरीक्षण करके मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का जायजा लिया। कलेक्टर ने ग्राम मुदरिया चौहान, मतदान केन्द्र कोन तथा तीन अन्य मततदान केन्द्रों का भ्रमण किया। कलेक्टर ने मतदाताओं के घर-घर जाकर उनसे गणना पत्रक प्राप्त होने तथा भरे जाने के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने मतदान केन्द्र में बीएलओ द्वारा बीएलओ ऐप के माध्यम से गणना पत्रक के डिजिटाइजेशन का भी जायजा लिया।

कलेक्टर ने स्वयं तीन मतदाताओं की जानकारी बीएलओ ऐप के माध्यम से डिजिटाइज की। कलेक्टर ने कहा कि गणना पत्रक सावधानीपूर्वक भरवाकर मतदाता से प्राप्त करें। प्राप्त गणना पत्रक तकनीकी दल के सहयोग से बीएलओ तत्काल डिजिटाइज करें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पटवारी, आशा कार्यकर्ता तथा ग्राम रोजगार सहायक इस कार्य में बीएलओ को पूरा सहयोग दें, जिससे निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य पूरा हो सके। मतदाता के सत्यापन के लिए वर्ष 2003 की मतदान केन्द्रवार मतदाता सूची बीएलओ को उपलब्ध कराई गई है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर 2003 की पूरे देश की मतदाता सूची उपलब्ध है। इसके माध्यम से मतदाता सत्यापन से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निरीक्षण के समय अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय, सहायक यंत्री अंकिता सोहगौरा, बीएलओ, पटवारी तथा मतदाता उपस्थित रहे। जिले भर में सभी मतदान केन्द्रों में शिविर लगाकर मतदाताओं का सत्यापन करने के लिए गणना पत्रक भरवाकर उसे डिजिटाइज किया जा रहा है।

जीएमएच के गायनी विभाग में घमासान, डॉ. पूजा बोलीं-मरीज मरते हैं; मैडम शादी में व्यस्त रहती हैं

डॉ. बीनू ने प्रसूता के मौत पर लापरवाही के आरोप लगाए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय (जीएमएच) के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में वरिष्ठ और कनिष्ठ चिकित्सकों के बीच चल रहा विवाद अब मंत्रालय तक पहुंच गया है। डॉक्टर पूजा गंगवार ने विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ. बीनू सिंह के खिलाफ गंभीर आरोपों के साथ स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात की है। वहीं, अस्पताल प्रशासन ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे 2 नवंबर को हुई एक मरीज की मौत की जांच से बचने का प्रयास बताया है। डॉक्टर पूजा गंगवार ने आरोप लगाया कि विभागाध्यक्ष डॉ. बीनू सिंह की कार्यशैली, व्यवहार और अनुशासनहीनता के चलते विभाग में काम करना बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल में मरीजों की मौत होती रहती है और मैडम डॉक्टर बीनू सिंह शादियों में और अन्य निजी कार्यक्रमों में व्यस्त रहती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री से मिले डॉक्टर, सौंपी लिखित शिकायत: श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के कई वरिष्ठ एवं कनिष्ठ डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल से भेंट की। उन्होंने एचओडी पर अमर्यादित व्यवहार, शत्रुतापूर्ण कार्य वातावरण बनाने और अनावश्यक दबाव जैसे गंभीर मुद्दों की लिखित शिकायत सौंपी। उनका कहना है कि लंबे समय से विभाग में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है, जिसकी वजह से चिकित्सा सेवा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

मंत्री ने दिया जांच का भरोसा: डॉक्टर पूजा के मुताबिक चिकित्सकों ने स्वास्थ्य मंत्री को बताया कि विभाग में अनुशासनहीनता और असहयोग की स्थिति लगातार बनी हुई है। मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने डॉक्टरों को भरोसा दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

प्रशासन का पलटवार: जांच से बचने के लिए दिया इस्तीफा: वहीं दूसरी ओर, विभागाध्यक्ष डॉ. बीनू सिंह और अस्पताल प्रशासन ने डॉक्टर पूजा गंगवार द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि 2 नवंबर को डॉ. गंगवार की ड्यूटी के दौरान एक प्रसूता की मौत का मामला सामने आया था, जिसके बाद उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया था।

7 नवंबर को 3 शिकायतें हुईं, उसी दिन इस्तीफा: प्रशासन के अनुसार, इस मामले में 7 नवंबर को सीएम हेल्पलाइन पर तीन शिकायतें भी दर्ज हुईं। लेकिन डॉ. गंगवार ने स्पष्टीकरण का जवाब देने के बजाय उसी दिन (7 नवंबर) दोपहर में इस्तीफा दे दिया।

उप मुख्यमंत्री ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य का किया भ्रमण

गौ अभ्यारण्य के विकास से जुड़े निर्माण कार्य समय पर पूरा करें: उप मुख्यमंत्री

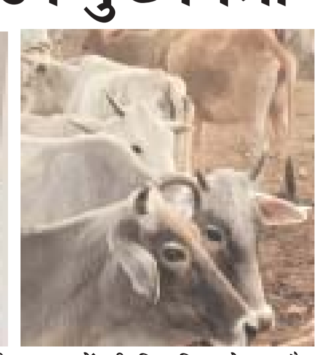

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य का भ्रमण किया। शुक्ल ने गौ अभ्यारण्य में गायों की सेवा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। शुक्ल ने गौवंश की सेवा करते हुए गायों को गुड़ और चना खिलाया तथा गौ पूजा की। इसके बाद गौशाला के प्रशासनिक भवन में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौ अभ्यारण्य प्रदेश का पहला गौ अभ्यारण्य है। इसमें लगभग आठ हजार गौवंश को आश्रय दिया गया है। इसके विकास से जुड़े निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरे कराएं। गौ अभ्यारण्य निराश्रित और असहाय गायों को आश्रय देने के साथ-साथ गोबर से खाद तथा अन्य उत्पाद बनाने के केन्द्र के रूप में भी विकसित हो रहा है। गायों को ठंड से बचाने के लिए भी समुचित प्रबंध करें। पशु चिकित्सक नियमित रूप से गायों के स्वास्थ्य की जाँच करें। बैठक में पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी, रेडक्रास समिति के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी, एसडीएम सिरमौर दृष्टि जायसवाल, सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक डॉ राजेश मिश्रा तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।